प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-116 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 22 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ और सुंदर बनाना है

ब्रज की सुंदरता को अधिकारियों ने थामीं झाड़ू

डीएम ने ब्रह्माण्ड घाट पर समेटी गंदगी, अभियान से जुड़ने को किया प्रेरित

नगर आयुक्त और अन्य अधिकारियों ने की स्वच्छता, बांटे गए डस्टबिन

गोकुल स्थित ब्रह्माण्ड घाट पर श्रमदान करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

वृंदावन के हजारीमल सोमानी इंटर कॉलेज के बाहर झाड़ू लगाते नगरायुक्त जगप्रवेश।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार से हम सबने ठाना है, ब्रज को सुंदर बनाना है, अभियान का आगाज हुआ। ब्रज को सुंदर बनाने के लिए डीएम और अन्य अधिकारियों ने गंदगी को समेटा, लोगों को स्वच्छता बनाने में सहयोग के लिए प्रेरित किया। गंदगी को सहेजने के लिए डस्टबिन बांटे गए। ब्रज के मंदिर और प्रमुख स्थानों को स्वच्छ बनाने का यह अभियान छह जुलाई तक चलेगा।

अभियान के पहले दिन डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने गोकुल स्थित ब्रह्माण्ड घाट पर श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। उन्होंने स्वयं झाड़ू लगाकर घाट परिसर की सफाई की, फावड़ा उठाकर सीढ़ियों पर जमा मिट्टी को समेटा और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया, अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

डीएम ने कहा कि ब्रज की स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। सभी के सहयोग से ही मथुरा, वृन्दावन, गोकुल और ब्रज क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि धार्मिक स्थलों, यमुना घाटों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाएं, स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। अभियान के दौरान घाट परिसर, सीढ़ियों, आवागमन मार्गों, यमुना किनारे और आस–पास के क्षेत्र में फैली गंदगी को साफ किया गया। अभियान में हार्टफुलनेस स्वयंसेवकों और सनराइज पब्लिक स्कूल सहित 50 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। सभी ने श्रमदान करते हुए ब्रह्मांड घाट और उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई की। हार्टफुलनेस मथुरा के समन्वयक निशांत शर्मा ने बताया कि पद्मभूषण डॉ. कमलेश डी पटेल के आह्वान पर यह अभियान उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और जिला प्रशासन के सहयोग से प्रारंभ किया गया है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने कहा कि ब्रह्मांड घाट से शुरू हुआ यह स्वच्छता अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे लगातार आगे बढ़ाया जाएगा।

रेहड़ी संचालक पर एक हजार का जुर्माना

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने वृंदावन स्थित निगम चौराहे के निकट एक पराठा ठेले पर गंदगी पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित रेहड़ी संचालक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक रुपये का नगद चालान किया गया।

वहीं, विशेष सफाई महाअभियान के अंतर्गत नगर आयुक्त जगप्रवेश ने नगर निगम चौराहा स्थित हजारीमल सोमानी इंटर कॉलेज के बाहर स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान उन्होंने दुकानदारों को डस्टबिन वितरित बांटे और सभी से अपने आसपास साफ–सफाई बनाए रखने की अपील की। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, कूड़ा इधर–उधर फेंकने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील भी की गई। धार्मिक नगरी मथुरा–वृन्दावन को स्वच्छ, सुंदर बनाने के उद्देश्य से शुरू हुी अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सफाई, जन–जागरूकता कार्यक्रम, अतिक्रमण हटाओ अभियान, संचारी रोग नियंत्रण, सड़क मरम्मत, यमुना घाटों के सौंदर्यीकरण जैसे कार्य किए जाएंगे। नगर निगम प्रशासन के अनुसार, नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए पोस्टर, रैलियां, नुक्कड़ नाटक- जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सार्वजनिक स्थानों से अतिक्रमण हटाकर शहर को अधिक व्यवस्थित और सुगम बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

अभियान के अंतर्गत मच्छरजनित एवं संचारी रोगों की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए विशेष गतिविधियां संचालित होंगी। इसके अलावा यमुना घाटों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाकर श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कल से नए बस अड्डे के बजाय माल गोदाम से चलेंगी रोडवेज बसें

रेलवे करेगा पुल पर काम, नए बस अड्डे से नहीं मिलेंगी बस

पुल पर रेल लाइन को लोहे का स्ट्रक्चर लगाने का होगा काम

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार से शहर के नए बस स्टैंड से बसों का संचालन नहीं होगा। 15 दिन तक रोडवेज की बसें माल गोदाम रोड से संचालित होंगी। इस अवधि के दौरान रेलवे की टीम चौथी और पांची लाइन के लिए पुल के ऊपर लोहे का स्ट्रक्चर लगाने का काम करेगी। रेलवे लाइन बिछाने का काम आगामी महीनों में होने की संभावना है।

नए बस अड्डे के पीछे से रेलवे लाइन निकल रही है, जबकि रेलते का पुल भी बना हुआ है। इस पुल पर रेलवे को चौथी और पांचवी लाइन बिछाने के लिए काम करना है, जिससे ट्रेनों को सुगमता से संचालित किया जा सके। रेलवे के इस काम में नए बस अड्डे से बसों का लगातार संचालन परेशानी दे रहा है। बीते गुरुवार को इस समस्या के निदान और काम को करने के लिए रेलवे और रोडवेज अधिकारियों की डीएम चंद्रप्रकाश सिंह की मौजूदगी में बैठक हुई, जिसमें बसों का संचालन 15 दिन तक माल गोदाम रोड से करने पर सहमति बनीं।

बैठक में मौजूद रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि काम के लिए बस अड्डे से बसों की आवाजाही बंद होना जरूरी है, जिससे किसी घटना की संभावना पैदा नहीं हो सके।

इसके लिए उन्होंने 15 दिन के लिए नए बस अड्डे से बसों का संचालन नहीं करने का सुझाव दिया था। अब मंगलवार से नए बस अड्डे के रेलवे पुल पर मशीनों से काम होगा, ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से बसों का संचालन माल गोदाम रोड से होगा। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मदन मोहन शर्मा ने बताया कि बसों का संचालन कल से माल गोदाम रोड से करने की तैयारी है, इसके लिए नगरायुक्त का पत्र भी मिला है। नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र ने बताया कि रेलवे इस पुल के आसपास 15 दिन काम करेगा, इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से बसें माल गोदाम रोड से चलेंगी। वहीं, रेलवे के जानकारों का कहना है कि अभी चौथी और पांचवीं रेल लाइन के लिए तैरूार किए गए आधार पर लोहे के स्ट्रक्चर रखे जाएंगे, रात में काम होगा। आगामी महीनों में यहां से लाइन बिछाने का काम होगा।

भारत बना एआई आउटसोर्सिंग में अग्रणी

कुशल कार्यबल बना सबसे बड़ी ताकत

यूनिक समय, नई दिल्ली। ग्लोबल एआई आउटसोर्सिंग रेडीनेस इंडेक्स 2026 में भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जारी सूची के अनुसार, भारत ने 84.55 अंकों के साथ 25 देशों की सूची में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस रिपोर्ट में भारत ने ब्राजील को करीब आठ अंकों से पीछे छोड़ दिया है। यह इंडेक्स विभिन्न देशों में एआई आधारित सेवाओं के लिए कंपनियों और कर्मचारियों की तैयारी और क्षमता का मूल्यांकन करता है। भारत की मजबूत स्थिति का मुख्य कारण उसका विशाल और कुशल कार्यबल माना गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वर्कफोर्स रेडीनेस श्रेणी में 89 अंक हासिल कर सभी देशों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। एंटरप्राइज प्रिपेयर्डनेस यानी उद्योगों की तैयारी में भी भारत ने 88 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया है। दक्षिण एशिया के देशों की तुलना में भारत का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है, जहां पाकिस्तान 40.6, नेपाल 34.3 और बांग्लादेश 32.8 अंक पर रहे हैं। अटारैक्सिस द्वारा जारी इस रिपोर्ट में भारत की डिजिटल क्षमता और एआई कौशल विकास को प्रमुख आधार माना गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी प्रतिभा, डिजिटल बुनियादी ढांचे और एआई कौशल प्रशिक्षण में बढ़ते निवेश के कारण भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक एआई आउटसोर्सिंग का सबसे बड़ा केंद्र बन सकता है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है, जिसने वर्कफोर्स रेडीनेस और एंटरप्राइज प्रिपेयर्डनेस दोनों श्रेणियों में 85 से अधिक अंक हासिल किए हैं, जो उसकी मजबूत स्थिति को और स्पष्ट करता है। यह उपलब्धि भारत की वैश्विक तकनीकी शक्ति दर्शाती है।

आवारा कुत्तों पर नगर निगम की नजर

चिप बताएगी कहां का है कुत्ता

यूनिक समय, मथुरा। शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और लोगों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए नगर निगम ने नई तकनीक का सहारा लिया है। अब आवारा कुत्तों की पहचान माइक्रोचिप के जरिए की जाएगी। फ्रेंडिकोज सेका एनजीओ के सहयोग से चल रहे इस अभियान के तहत कुत्तों की नसबंदी, रेबीज वैक्सीन और माइक्रोचिप लगाने का कार्य किया जा रहा है। अब तक 100 आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप और वैक्सीन लगाई जा चुकी है। माइक्रोचिप लगने के बाद किसी भी कुत्ते की पहचान विशेष स्कैनर मशीन से की जा सकेगी। इससे यह पता चल जाएगा कि कुत्ते की नसबंदी हुई है या नहीं, उसे रेबीज का टीका कब लगाया गया और वह किस क्षेत्र से पकड़ा गया था।

शहर में संचालित एबीसी एनिमल बर्थ कंट्रोल डॉग कंट्रोल सेंटर पर प्रतिदिन कुत्तों को पकड़कर लाया जाता है। यहां उनकी नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है। इसके बाद कुत्तों की गर्दन पर ज्यादातर माइक्रोचिप लगाई जा रही है। पूरी प्रक्रिया के बाद कुत्तों को उसी इलाके में छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें पकड़ा गया था।

अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने बताया कि माइक्रोचिप पूरी तरह सुरक्षित होती है, इससे कुत्तों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। चिप लगाने का उद्देश्य कुत्तों की पहचान करने में आसानी मिलेगी। उन्होंने बताया कि शहर में कुत्तों के हमलों की घटनाओं को कम करने के लिए नसबंदी अभियान लगातार चलाया जा रहा है। नसबंदी से आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने में मदद मिलती है। रेबीज वैक्सीन लगाने से लोगों और पशुओं दोनों की सुरक्षा बढ़ती है। भगवान सिंह ने बताया कि गर्मी अधिक होने के कारण फिलहाल अभियान की रफ्तार कुछ धीमी है, लेकिन मौसम सामान्य होने के बाद इसे और तेज किया जाएगा। नगर निगम का लक्ष्य अधिक से अधिक आवारा कुत्तों को इस अभियान से जोड़ना है, ताकि उनकी संख्या का सही आंकड़ा तैयार किया जा सके।

फ्रेंडिकोज सेका एनजीओ के सहयोग से शुरू हुआ अभियान

100 कुत्तों को लगाई गई माइक्रोचिप और रेबीज वैक्सीन

ब्रज तीर्थ विकास परिषद में राजीव पांडेय ने संभाला एसीईओ का पदभार

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद में सोमवार को राजीव पांडेय ने अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस पद पर अब तक मदन चंद्र दुबे कार्यरत थे।

राजीव पांडेय

राजीव पांडेय इससे पहले मथुरा सदर तहसील में तहसीलदार और उपजिलाधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा वह मुरादाबाद विकास प्राधिकरण में सचिव रह चुके हैं। प्रशासनिक और विकास कार्यों का अनुभव रखने वाले राजीव पांडेय के ब्रज तीर्थ विकास परिषद में आने को परिषद की योजनाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्कूल में चोरी का असफल प्रयास

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव क्षेत्र स्थित बेरनी प्राथमिक विद्यालय में बीती रात चोरों ने गेट का कुंडा तोड़कर चोरी का असफल प्रयास किया। प्राथमिक विद्यालय बेरनी के प्रधान अध्यापक ने थाने में दी लिखित तहरीर में कहा है कि कल योग दिवस होने के कारण इस कार्यक्रम के लिए वह विद्यालय आए थे। इसके बाद विद्यालय को बंद करने के बाद चले गए। सोमवार प्रातः विद्यालय आने पर देखा कि गेट का ताला के कुंडे को चोरों ने तोड़ने का प्रयास किया। चोर चोरी करने में सफल नहीं हो पाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिनभर तपिश और उमस से बेहाल रहे लोग

यूनिक समय, मथुरा। लगता है मानसून ब्रज की ओर आने से ठिठक गया है। अब मौसम फिर से शुष्क होने लगा है, जिससे तापमान एक बार फिर आगे जाने लगा है। ऐसे मौसम की वजह से दिन और रात में तपिश और उमस से लोग बेहाल होने लगे हैं। सोमवार को अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार सुबह ही बादल छाए देख लोगों को बारिश और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नजर आने लगी, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा, बादल छंट गए और धूप की तपिश बढ़ने लगी। दोपहर तक भीषण गर्मी और उमस से लोग पसीने में तरबतर नजर आए। बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर निकलने वाले लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई।

गर्मी के कारण लोग तेजी से बीमार पड़ रहे हैं। इन दिनों जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है। इसमें ज्यादातर मरीज पेट दर्द और उल्टी-दस्त से पीड़ित थे।

सोमवार को जिला अस्पताल में आए विवेक चतुर्वेदी और हुसैन ने बताया कि गर्मी की वजह से पेट खराब हो गया है।

अस्थाई गोआश्रय स्थल भैंसा में मंगलवार को जाएगी जांच समिति

यूनिक समय,मथुरा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अपर जिलाधिकारी न्यायिक की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। 23 मई को ग्राम भैंसा में स्थित अस्थाई गोआश्रय स्थल में किसी व्यक्ति द्वारा भोजन सामग्री इत्यादि डाल दी गयी थी। जिसके खाने से गोवंशों की मृत्यु हुई थी। इसकी जांच कराने के लिए समिति का गठन किया गया है। अपर जिलाधिकारी न्यायिक अध्यक्ष और सदस्य मुख्य पशु चिकित्साधिकरी,खंड विकास अधिकारी मथुरा और जिला पंचायत के वित्तीय परामर्शदाता सदस्य बनाए गए है। 23 जून को यह समिति पूर्वाह 11.30 बजे जांच के लिए अस्थाई गोआश्रय स्थल भैंसा जाएगी।

भूतेश्वर पुल के जलभराव से मिलेगी राहत

महापौर विनोद अग्रवाल ने किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण काम समय से करने को कहा

भूतेश्वर पुल के समीप चल रहे काम का निरीक्षण करते महापौर विनोद अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। इस बार बारिश के सीजन में भूतेश्वर पुल के जलभराव से लोगों को राहत मिलने के आसार हैं। यहां चल रहे विकास काम का महापौर विनोद अग्रवाल ने निरीक्षण किया। काम की प्रगति को देखने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि काम समय से और गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए। मथुरा-वृंदावन नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल ने भूतेश्वर पुल पर लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए चल रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण कार्य को तिय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि बारिश के मौसम में लोगों को होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा कि हर वर्ष बारिश के दौरान भूतेश्वर पुल पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे आम नागरिकों, वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर निगम इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को जलभराव और यातायात बाधित होने जैसी समस्याओं से काफी राहत मिलेगी। अधिकारियों को तकनीकी गुणवत्ता बनाए रखने और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तय करने के निर्देश भी दिए।

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,46,230

22 कैरेट 1,34,044

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,50,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

बेखौफ अवैध खनन माफिया पर नहीं लग रही लगाम

खनन की मोटी कमाई से माफियाओं के हौंसले हैं बुलंद

यूनिक समय, मथुरा। खनन माफियाओं की खनन से होने वाली अच्छी कमाई भी उनके हौंसलों को हवा दे रहे हैं। खनन के दौरान खनन विभाग अथवा पुलिस विभाग के अधिकारियों पर मिट्टी माफिया बचने के लिए ट्रैक्टर तक चढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। जनपद में आधा दर्जन के करीब इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। मामले दर्ज होने के बाद भी माफियाओं पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती है।

वाहनों को रात में निकलने से ग्रामीण रहते हैं परेशान

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़, नौहझील, फरह, बल्देव, महावन थाना क्षेत्रों में खनन माफियाओं के रात में ग्रामीण इलाके से निकलने वाले वाहनों की शिकायत ग्रामीणों द्वारा पुलिस और प्रशासन से की जा चुकी है, लेकिन इसके बाद भी इस तरह के वाहनों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सुबह भी मिट्टी से भरे वाहन हाइवे पर दौड़ते हैं।

धडल्ले से चल रहा है खनन का खेल

एक्ट में नहीं है कड़ी सजा,जुर्माना भरते ही मामला खत्म

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में खनन से होने वाली मोटी कमाई के बल पर खनन माफियाओं के हौंसले इतने बुलंद है कि पुलिस प्रशासन और खनन अधिकारी के होते हुए भी जबरन खनन की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है।

वजह खनन माफियाओं के खिलाफ कोई कड़ी कार्यवाही नहीं हो रही है। खनन मामले में कड़ी कार्यवाही को कोई प्रावधान भी नहीं है।

खनन माफियाओं के हौंसले बुलंद होने की वजह खनन एक्ट है। अवैध रुप से बालू- मिट्टी आदि का खनन करके ले जाते हुए पकड़े जाने पर अधिकतम 25 हजार रुपये की धनराशि का जुर्माना करने के बाद पूरा मामला स्वत ही समाप्त हो जाता है। यही कारण है कि अवैध खनन करने वाले इस धंधे से रोजाना हजारों रुपये की कमाई कर रहे हैं। यदा–कदा अगर कहीं अगर कोई मामला पकड़ा भी जाता है तो जुर्माना भरने के बाद अपने वाहनो को छुड़वाने के बाद फिर से धंधा शुरू कर देते हैं।

किसानों को मिली छूट का खूब उठा रहे हैं फायदा

यूनिक समय, मथुरा। खनन विभाग में मामूली फीस जमा करने के बाद खेत से मिट्टी खोद कर ले जाने की अनुमति किसान को मिल जाती है। इसका भी फायदा माफिया उठा रहे हैं। ट्रैक्टर पर परमीशन की प्रति चसपा कर धड़ल्ले से मिट्टी को ट्रैक्टर में भरकर माफिया खूब कमाई कर रहे हैं।

किन्नरों के खिलाफ चलाया अभियान,198 पर कार्रवाई

रेलवे सुरक्षा बल ने जंक्शन से दो और किन्नर किए गिरफ्तार

अब यात्रियों से ट्रेनों में और स्टेशन पर नहीं होगी वसूली

यूनिक समय, मथुरा। रेलवे सुरक्षा बल ने एक मई से रेल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध रेल परिचालन तय करने के उद्देश्य सें ट्रेनों और रेलवे स्टेशन परिसर में यात्रियों से जबरन वसूली, न्यूसेंस फैलाने वाले 198 किन्नरों के खिलाफ कार्रवाई की है।

वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्तआगरा राजमोहन पिचाई के निर्देशन में एक मई से अब तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ट्रेनों में यात्रियों से जबरन धनराशि वसूलने, अभद्र व्यवहार करने और न्यूसेंस उत्पन्न करने वाले किन्नरों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इंस्पेक्टर आरपीएफ उपदेश कुमार कौशिक ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मथुरा जंक्शन द्वारा चलाए गए इस अभियानों के दौरान ऐसे कुल 198 किन्नरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। आज भी मथुरा जंक्शन पर यात्रियों से जबरन वसूली करने के मामले मे दो किन्नरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

उन्होने कहा ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार की जबरन वसूली, यात्रियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रेल यात्रियों से अपील की गई है कि यदि यात्रा के दौरान कोई व्यक्ति जबरन धनराशि की मांग करता है, अभद्र व्यवहार करता है अथवा किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि में संलिप्त दिखाई देता है, तो इसकी सूचना तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 अथवा निकटतम रेलवे पोस्ट पर तैनात अधिकारी को दें।

पींगरी में नई सहकारी समिति के गठन की मांग तेज

नई सहकारी समिति के गठन की मांग को लेकर डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन देते ग्रामीण।

ग्रामीणों ने ज्ञापन देकर जिलाधिकारी से लगाई गुहार

खाद–बीज उपलब्ध कराने को प्रस्ताव भेजने की मांग

यूनिक समय, फरह। क्षेत्र के ग्राम पींगरी में नई सहकारी समिति के गठन को लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने डीएम और सहायक निबंधक को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि शासन स्तर से ग्राम पींगरी क्षेत्र में नई सहकारी समिति (बी–पैक्स) गठन की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है, लेकिन संबंधित समिति के सचिव सीताराम द्वारा प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ाए जाने के कारण किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों द्वारा डीएम को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि ग्राम पींगरी में जिला सहकारी बैंक की नई शाखा समिति के गठन का प्रस्ताव लंबित है। यदि समिति का गठन हो जाता है तो क्षेत्र के किसानों को खाद, बीज और कृषि ऋण जैसी सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान होगा और कृषि कार्यों में सहूलियत मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता द्वारा जारी पत्र में क्षेत्र के अंतर्गत बी–पैक्स दीनदयालधाम के कार्यक्षेत्र में आने वाले ग्राम सभा पींगरी और आसपास के गांवों के लिए नई बी–पैक्स समिति गठन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। पत्र में संबंधित अधिकारियों और समिति पदाधिकारियों को शासन की प्राथमिकता के आधार पर नई समिति गठन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराने को कहा गया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित सचिव सीताराम द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किए जाने से नई समिति के गठन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस संबंध में उन्होंने डीएम और सहायक निबंधक से हस्तक्षेप कर निर्देश जारी करने की मांग की है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि नई सहकारी समिति के गठन से क्षेत्र के किसानों को खाद, बीज और ऋण वितरण की बेहतर व्यवस्था मिलेगी, उन्हें दूर–दराज की समितियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

ज्ञापन देने वालों में राजेंद्र सिंह, महिपाल सिंह, मोहनसिंह डाकिया, महेंद्र सिंह, शिवचरण ठाकुर, पिंटू ठाकुर, रैतान सिंह, रामबाबू पाराशर, रनवीर सिंह सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

इलाज के अभाव में कबाड़े की फेरी लगाने वाले ने तोड़ा दम

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर इलाके के जयसिंहपुरा गायत्री तपोभूमि के समीप कबाड़े की फेरी लगाने वाले युवक को कार ने टक्कर मार दी। गंभीर घायल होने पर इलाज के अभाव में उसकी मौत हो गई।

बताया गया कि आजाद (25) पुत्र सलीम भार्गव गली, घीया मंडी कबाड़े के फेरी लगा कर परिवार का पालन पोषण करता था। कल रात उसे गायत्री तपो भूमि के समीप एक कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया था। परिवार के लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण घायल का किसी अच्छे अस्पताल में इलाज नहीं कराया गया। घायल को जिला अस्पताल में लाया गया।

आरोप है कि जिला अस्पताल के इमरजेंसी में बीती रात तैनात चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार दे कर यह कह दिया कि चिकित्सक प्रातः आएगें। इस पर परिवार लोग घायल को अपने घर ले गए। आज प्रातः घायल की घर पर इलाज के अभाव में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रेलवे की स्मार्ट सुविधा, चढ़िए सीढ़ियां गिनिए सांसें

जंक्शन पर लिफ्ट बंद, दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

सेकेंड एंट्री की लिफ्ट दो सप्ताह से खराब, प्लेटफॉर्म 4-5 की लिफ्ट भी नहीं दे रही सुविधा

मथुरा जंक्शन पर खराब पड़ी लिफ्ट।

यूनिक समय, मथुरा। देश के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में शामिल मथुरा जंक्शन से प्रतिदिन हजारों यात्री विभिन्न दिशाओं में यात्रा करते हैं। स्टेशन पर हर वर्ग के यात्री पहुंचते हैं, जिनमें दिव्यांग, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए लगाई गई लिफ्टें सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बन गई हैं। जंक्शन की सेकेंड एंट्री पर लगी लिफ्ट पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से खराब पड़ी हुई है, जबकि प्लेटफॉर्म संख्या चार और पांच पर लगी लिफ्ट भी लंबे समय से बंद चल रही है।

लिफ्टों के बंद होने से सबसे अधिक परेशानी दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों को उठानी पड़ रही है। स्टेशन पर आने वाले ऐसे यात्रियों को भारी सामान के साथ सीढ़ियां चढ़कर प्लेटफॉर्म तक पहुंचना पड़ रहा है।

कई बार बुजुर्ग यात्रियों को अपने परिजनों का सहारा लेना पड़ता है, जबकि दिव्यांग यात्रियों के सामने प्लेटफॉर्म तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं रहता। यात्री शिवनाथ सिंह का कहना है कि रेलवे स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं के दावे किए जाते हैं, लेकिन जब आवश्यक सुविधाएं ही बंद मिलें तो यात्रियों को परेशान होना स्वाभाविक है। सेकेंड एंट्री का उपयोग करने वाले यात्रियों को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पूजा देवी ने कहा कि मथुरा जंक्शन धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्टेशन है, यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं का सुचारु रूप से संचालित रहना आवश्यक है। लिफ्टों के बंद रहने से रेलवे की व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

गंगा दशहरा पर घाट किनारे मौजूद रहेंगे गोताखोर

महापौर और नगरायुक्त ने किया यमुना का दौरा, दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को महापौर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त जग प्रवेश ने गंगा दशहरा पर्व की तैयारियों के संबंध में नगर निगम अधिकारियों के साथ यनुना किनारे का निरीक्षण किया गया। बंगाली घाट, राजा घाट, स्वामी घाट, विश्राम घाट, असकुंडा घाट के अलावा यमुना पार के कच्चे घाटों का निरीक्षण करते बेहतर व्यवस्था बनाने को कहा।

महापौर के साथ नगरायुक्त ने यमुना पार कच्चे घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सभी घाटों और उनसे जुड़े मार्गों पर 24 घंटे उच्च स्तरीय सफाई व्यवस्था करने, निरंतर चूना छिड़काव करवाने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया।

नगरायुक्त ने बताया कि दशहरा पर्व पर सभी घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग की जाएगी, श्रद्धालुओं के लिए लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। गहरे जल वाले स्थलों पर चेतावनी संकेतक और बैनर लगाए जाएंगे। महिला- पुरुष श्रद्धालुओं के लिए चेंजिंग रूम स्थापित किए जाएंगे, घाटों के दोनों ओर खोया-पाया शिविर की स्थापना की जाएगी। इस दौरान अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, पार्षद यतेंद्र माहौर, अवर अभियंता जल अजय कुमार, सफाई निरीक्षक सौरभ अग्रवाल आदि उपस्थित रहे ।

क्षत्रिय समाज ने की श्मशान भूमि रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग

श्मशान भूमि रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को दिखाते क्षत्रिय समाज के लोग।

अधिकारियों पर गलत आख्या लगाने का लगाया आरोप

रास्ता अवरुद्ध होने से कुंड से जाने को मजबूर लोग

यूनिक समय,गोवर्धन। क्षत्रिय समाज के लोगों ने अपने समाज की श्मशान भूमि के लिए जाने वाले रास्ते को लेकर प्रशासन से गुहार लगाई है। लोगों का आरोप है कि कुछ दबंग और भू माफिया किस्म के लोगों ने अवैध कब्जा किया हुआ है।

क्षत्रिय समाज के लोगों का आरोप है कि गोवर्धन के पूर्व चेयरमैन सत्यप्रकाश मित्तल ने अपने कार्यकाल में श्मशान भूमि को जाने वाले मार्ग के बगल में अपनी दुकान और जगह होने का लाभ उठाकर श्मशान भूमि के मार्ग पर अतिक्रमण कर लिया गया था। ऐसा होने से क्षत्रिय समाज के लोगों को दाह संस्कार के लिए मैदारकुंड के ऊपर से होकर जाना पड़ता है, जो जोखिम भरा है। इस संबंध में क्षत्रिय समाज सेवा समिति रजिस्टर्ड संस्था के द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार शिकायत की गई है, छह से सात बार आइजीआरएस पोर्टल से भी मुख्यमंत्री तक शिकायत की गई है, लेकिन हर बार स्थानीय प्रशासन गलत आख्या भेज कर उच्च अधिकारियों को गुमराह कर देता है।

लोगों ने बताया कि अभी हाल ही में एसडीएम गोवर्धन द्वारा स्थल पर जाकर निरीक्षण किया गया, वहां उलटी दिशा में खड़े होकर फोटो खींच कर उच्च अधिकारियों को भेज दिए गए और प्रकरण की गलत आख्या बनाकर रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई है । क्षत्रिय समाज के लोगों के अनुसार, शमशान भूमि का मार्ग लगभग 13 से 14 फीट चौड़ा है, जिसमें से लगभग चार से पांच फीट पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर रखा है।

दिल्ली से आए निरंकारी संत ने चेताया ब्रह्मबोध अब नहीं, तो फिर कब

कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं को सत्संग सुनाते निरंकारी संत सुखदेव सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रह्मबोध के लिए किसी विशेष कर्म या किसी विशेष क्रिया या पद्धति की जरूरत नहीं है। चौरासी लाख योनियों में ब्रह्मबोध का अवसर सिर्फ मनुष्य योनी में ही संभव है। परमात्मा को अब भी नहीं जाना तो फिर कब और किस योनी में जानोगे।

यह विचार दिल्ली से आए निरंकारी संत सुखदेव सिंह ने व्यक्त किए।

उनके आगमन पर वृंदावन के अटल्ला चुंगी रोड स्थित एक सभागार और हाइवे नवादा स्थित संत निरंकारी भवन में सत्संग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें उन्होंने जिज्ञासाओं को मनुष्य जन्म की सार्थकता बताई।

उन्होंने कहा कि परमात्मा हर समय हमारे साथ है, जो खुद प्रलय के साथ मिटता नहीं, बदलता नहीं, न घटता न बढ़ता है, सदा एक एकरस रहता है, फिर हम क्यों समय के साथ बदल जाते हैं और भटकते रहते हैं। हम स्थिर परमात्मा के साथ जुड़कर स्थिर रह सकते हैं। जब जीवन में प्रभु आ जाते हैं तो जीवन आनंद भरा हो जाता है।

मथुरा के जोनल इंचार्ज संत एचके अरोड़ा ने संत निरंकारी मिशन के आध्यात्मिक सिद्धांत बताते हुए कहा कि सत्गुरू से परमात्मा को जानकर ही भक्ति शुरू होती है। उन्होंने संत भक्तों का स्वागत कर सबका आभार भी जताया।

दयानंद शाखा ने मनाया हिंदू साम्राज्य दिवस

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दयानंद शाखा ने वेद मंदिर परिसर में हिंदू साम्राज्य दिवस श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता 99 वर्षीय योगाचार्य चंद्रभान गुप्त ने छत्रपति शिवाजी के जीवन और उनके द्वारा स्थापित हिंदवी स्वराज्य के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज केवल एक महान योद्धा ही नहीं, बल्कि राष्ट्र चेतना, सुशासन और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक थे। उन्होंने बच्चों और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि हिंदू साम्राज्य दिवस हमें अपने गौरवशाली इतिहास को स्मरण करने और राष्ट्रभक्ति, साहस और संस्कारों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा, समाजसेवी राजेंद्र खंडेलवाल ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। संचालन योगेश आभा ने किया। इस अवसर पर नगर कार्यवाह पवन सोनी, सह संचालक राजकुमार अग्रवाल, रमेश चंद्र आर्य, ललित अग्रवाल, श्याम शर्मा, अमित अग्रवाल कागजी, नरेंद्र गोला, राकेश चंद किताब वाले, सुरेश चंद, नितेश चंद प्रेस वाले , अवधेश आलोक, लोकेश तायल, कृष्णमणि सूबेदार, अभिषेक, मोहन साहू सहित अनेक स्वयंसेवक और उनके परिवारजन उपस्थित रहे। समापन महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ।

प्रशासक प्रधान की विकास कार्य में नहीं चलेगी मनमानी

डीएम और सीडीओ की अनुमति पर ही गांवों में कराए जा सकेंगे विकास कार्य

यूनिक समय, मथुरा। बीते माह कार्यकला समाप्त होने के बाद अपनी ही ग्राम पंचायतों में प्रशासक बनाए गए ग्राम प्रधान विकास काम में अपनी मनमानी नही चला सकेंगे। ग्राम पंचायत में विकास कराने के लिए डीएम और सीडीओ से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। जिला पंचायत राज विभाग ने विकास में मनमानी दिखा रहे प्रशासक प्रधानों को इसे लेकर चेताया है।

ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो चुका है। जिसके बाद अब ग्राम प्रधान प्रशासकों के रूप में कार्य कर रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायतों में विकास से संबंधित कार्य कराने को लेकर लगातार ग्राम प्रधान प्रस्ताव दे रहे हैं। कुछ गांवों में इस प्रकार की शिकायतें हैं कि पुनः चुनाव लड़ने की इच्छा वाले प्रधान अपने चहेतों क्षेत्रों में विकास कार्य कराना चाहते हैं, इसके लिए ही आवेदन दिला रहे हैं।

इस कारण पंचायती राज विभाग ने आरोपों से बचाव को लेकर उच्च अधिकारियों को सूचना दी थी, इसमें तय हुआ है कि कोई भी नया काम शुरू करने से पहले डीएम का अनुमोदन लेना होगा। गांव में बिना किसी राजनीति के साधारण रूप से कार्य कराने को लेकर यह कदम उठाया गया है। बता दें कि शासन के आदेश हैं कि अभी पूर्व के कार्यकाल के बकाया कार्यों को ही पहले पूरा कराया जाए, इसके बाद ग्रामीणों की सहूलियत को देखते हुए अन्य कार्य लिए जाए।

मामले में सीडीओ डा. पूजा गुप्ता का कहना है कि गांवों में सड़क निर्माण से लेकर दूसरे विकास कार्य शुरू कराने से पहले अब डीएम से अनुमोदन लेना होगा। इसके लिए फाइल बनकर पहले पंचायती राज विभाग में जाएगी। बिना स्वीकृति के कोई भी काम शुरू करने पर संबंधित प्रशासक प्रधान के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

खुलकर हसें, बीमारियों से मिलेगा निदान

यूनिक समय, मथुरा। अगर व्यक्ति रोजाना दिन में एक बार खुलकर हंसे तो उसे कोई भी बीमारी नहीं होगी। इसलिए समय निकालकर प्रति दिन व्यक्ति को रोजाना किसी न किसी बात पर ठहाका लगा -लगा कर हंसना चाहिए। यह कहना है कि अभिषेक कसेरे का। 38 बर्षीय अभिषेक कसेरे प्रातः 5 बजे उठते है, पांच किलोमीटर रोजाना घूमने जाते हैं और एक घंटे रोजाना व्यायाम- प्राणायाम करते हैं। खुद हंसते हैं और दूसरों को रोजाना हंसाते हैं। दो-तीन महीने के छोटे बच्चों को भी हंसाया जा सकता है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि योग और प्राणायाम को देश के प्रत्येक क्षेत्र में अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, तभी तो हमारा देश बलशाली बनेगा।

मंदिरों में दान के धन में खेल उठ रहीं हैं जांच की मांग

अब गोवर्धन के मुखारविंद मंदिर में 40 करोड़ के घोटाले का आरोप

फलाहारी के आरोप गलत श्रीकृष्ण जन्मस्थान ने उठाई जांच की मांग

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा समेत ब्रज के बड़े मंदिरों में दान के धन को लेकर विवाद और खेल का पुराना नाता है। मंदिरों में दान और चढ़ावे को लेकर समय–समय पर कई विवाद सामने आए हैं।

इनमें सबसे अधिक चर्चा श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर से जुड़े आरोपों की हो रही है। अब गोवर्धन के जतीपुरा स्थित प्रसिद्ध मुखारविंद मंदिर का विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। मंदिर की वित्तीय व्यवस्था को लेकर करीब 40 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का आरोप लगाया गया है।

इसी महीने में संत दिनेश फलाहारी ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में पिछले 15 वर्षों में प्राप्त दान राशि के उपयोग पर सवाल उठाए।

उन्होंने दान–पात्र खोलने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की। साथ ही कुछ पदाधिकारियों की संपत्ति की जांच कराने की भी मांग उठाई गई।

कुछ शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मंदिर से जुड़े कुछ लोगों ने अत्यधिक संपत्ति अर्जित की है और मामले की एसआईटी जांच कराई जानी चाहिए।

ऐसे आरोपों को लेकर श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने सीएम को पत्र लिखकर प्रकरण की जांच कराने की मांग रखी है, जिससे संस्थान को बदनाम करने की कोशिश को दूर किया जा सके।

इस्कॉन मंदिर में दान राशि गबन का मामला

बीते साल जनवरी में इस्कॉन मंदिर से जुड़ा एक मामला सामने आया था। आरोप था कि दान राशि एकत्र करने वाला कर्मचारी लाखों रुपये लेकर फरार हो गया। मंदिर प्रशासन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

अब जतीपुरा का मामला आया सुर्खियों में

गोवर्धन के जतीपुरा स्थित प्रसिद्ध मुखारविंद मंदिर एक बार फिर विवादों में आ गया है। सेवायत परिवार के सदस्य अंकित कौशिक ने मंदिर की आय और वित्तीय लेनदेन में 40 करोड़ की अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, जबकि मंदिर प्रशासन और रिसीवर पक्ष ने इन आरोपों को निराधार बताया है। अब 40 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के आरोपों के बाद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की नजरें जांच और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

दान प्रबंधन में पारदर्शिता की मांग

हालिया विवादों के बाद संतों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि बड़े धार्मिक संस्थानों में दान और चढ़ावे का नियमित ऑडिट कराया जाए, आय–व्यय सार्वजनिक किया जाए और दान राशि के उपयोग की जानकारी श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाए। इन मामलों में कई आरोप अभी जांच और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के अधीन हैं।

दो दिन में 269 वाहनों के चालान 2.84 लाख रुपये वसूले

अभियान के दौरान बस चालक को चेक करते हुए एआरटीओ, ट्रेफिक पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ।

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने यातायात पुलिस और खनन विभाग के साथ मिलकर जनपद में दो दिवसीय सघन चेकिंग अभियान चलाया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 269 वाहनों के चालान किए गए, जबकि अवैध खनन और ओवरलोडिंग में पकड़े गए वाहनों से 2.84 लाख रुपये का प्रशमन शुल्क वसूला गया।

परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने जिले के विभिन्न मार्गों पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 97, सीट बेल्ट न लगाने पर 25, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन चलाने पर सात और नशे की हालत में वाहन चलाने पर 16 चालान किए गए। वहीं दोषपूर्ण या बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट वाले 52 और नो–पार्किंग में खड़े 44 वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। मानकों की अनदेखी और नियमों के उल्लंघन पर 17 बसों का चालान किया गया। खनन विभाग के सहयोग से चलाए गए संयुक्त अभियान में ओवरलोडिंग और बिना वैध दस्तावेजों के संचालित 11 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इन वाहनों से 2.84 लाख रुपये का शमन शुल्क भी वसूला गया। अभियान में वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत,सतेन्द्र कुमार सिंह,संदीप चौधरी यात्रीकर अधिकारी,यातायात पुलिस, खनन निरीक्षक शामिल रहे।

नशे में वाहन चलाने वालों पर परिवहन विभाग का शिकंजा

17 बसों और 11 ओवरलोड वाहनों पर की कार्रवाई

केंद्र और प्रदेश सरकार बनाए गोवध निषेध कानून

संस्कृत भारती ने गोपाल मंदिर में चलाया गो सम्मान आह्वान हस्ताक्षर अभियान

गो संरक्षण को लेकर आयोजित हस्ताक्षर अभियान में मौजूद संत आदि।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को संस्कृत भारती ने शहर की गोपाल गली स्थित प्राचीन गोपाल मंदिर में श्री विष्णु मतानुयायी गोपाल वैष्णव पीठाधीश्वर यदुनंदन के सान्निध्य में गो सम्मान आह्वान अभियान चलाया।

इस अवसर पर यदुनंदन ने गोमाता की पौराणिक मान्यताओं पर प्रकाश डालते हुए गोमाता को करोड़ों भारतीयों की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक बताते हुए केंद्र- प्रदेश सरकार से गो हत्या को रोकने के लिए कठोर कानून बनाने की मांग की। ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने कहा गोमाता को वैदिक काल से ही पूजनीय माना गया है। संस्कृत भारती जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने बताया 27 जुलाई को गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत संपूर्ण भारतवर्ष में सभी जिला मुख्यालयों पर डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम 40 करोड़ हस्ताक्षर सहित ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें गोवध निषेध कानून बनाने, गोवंश को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर घोषित किए जाने और देश में कत्ल घरों को शक्ति से बंद किए जाने की मांग की जाएगी।

संचालन करते हुए संस्कृत भारती प्रचार प्रमुख रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने गोवंश की रक्षा के लिए सभी गोभक्तों को आगे आने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर आचार्य कुंज किशोर भूरा बाबा, आचार्य मकरन्द बाबा, ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक चतुर्वेदी, सौरभ शास्त्री चतुर्वेदी,नवनीत बाबा, ब्रजेश बाबा, अनुराग बाबा,पंकज चतुर्वेदी, ऋषभ देव चतुर्वेदी कौशलेंद्र चतुर्वेदी आदि ने गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग की।

भारतीय संस्कृति के संवाहक संगीत और योग पर व्याख्यान

यूनिक समय, मथुरा। विश्व संगीत दिवस और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के संगीत वादन तबला विभाग ने ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान का विषय भारतीय संस्कृति के संवाहक संगीत और योग था। राजस्थान संगीत संस्थान से प्रो. वसुधा सक्सेना और योग विषय विशेषज्ञ गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार से डॉ. ऊधम सिंह ने संगीत और योग के अंतर्संबंध को रोचक और प्रयोगात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। भारतीय संस्कृति के संवाहक के रूप में दोनों विषयों की सार्थकता प्रस्तुत की। व्याख्यान माला का संयोजन संगीत विभाग प्रभारी एसोसिएट प्रो. तबला विभाग डॉ मोनिका दीक्षित ने किया। प्राचार्य प्रो. पल्लवी सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला। व्याख्यान माला के अंत में प्रो. कविता कन्नौजिया ने आभार जताया।

उप निबंधन कार्यालय छाता पर हड़ताल जारी

यूनिक समय, छाता। तहसील में निबंधक कार्यालय में निजीकरण के विरोध में चल रही हड़ताल आज 14 वें दिन भी जारी रही। आंदोलनरत दस्तावेज लेखक संघ और अधिवक्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध रैली निकाली और राज्य मंत्री का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों ने तहसील परिसर से रैली निकालकर रोष व्यक्त किया। स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल का पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर रजिस्ट्री व्यवस्था के निजीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी। इस मौके पर काफी संख्या में दस्तावेज लेखक, अधिवक्ता, अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

राया में शहीद राजा देवी सिंह की स्मृति में खेलकूद प्रतियोगिता 28 को

यूनिक समय, राया। आयोजन समिति के कोमलसिंह ने बताया 27 जून को सायं 6 बजे अमर शहीद राजा देवी सिंह की स्मृति में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 28 जून को को प्रातः 7 बजे उनकी जन्मस्थली ग्राम अचरु लधौरा राया में दौड़ खेलकूद प्रतियोगिता होगी। दोपहर को विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

महेशोत्सव पर हुई विविध प्रतियोगिता, दिखाई प्रतिभा

महेशोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद माहेश्वरी समाज की महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। जिला माहेश्वरी सभा के पंचदिवसीय महेशोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाकर सभी को मोहा। प्रतियोगिताओं में बच्चों, युवाओं, महिलाओं- पुरुषों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा दर्शाई।

प्रतियोगिताओं में तीन से पांच वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए नमस्ते या बड़ों का सम्मान अभिनय प्रतियोगिता, पांच से आठ वर्ष के बच्चों के लिए शिव श्लोक और स्तुति प्रतियोगिता, नौ से 13 वर्ष के बच्चों के लिए संस्कार - नैतिकता आधारित कहानी वाचन, 14 से 20 वर्ष के युवाओं के लिए वाद–विवाद प्रतियोगिता, 18 से 35 वर्ष की युवतियों के लिए एकल नृत्य प्रतियोगिता, विवाहित महिलाओं के लिए पाककला प्रतियोगिता, युवाओं के लिए रील- शॉर्ट वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता, बच्चों के लिए म्यूजिकल चेयर-मजेदार दौड़, शतरंज-कैरम प्रतियोगिता और 10 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए डम्ब शराड्स (बॉलीवुड मूवीज) प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम में सुशील दीवान, अजय माहेश्वरी, मनमोहन माहेश्वरी, बांके बिहारी माहेश्वरी, राजेंद्र माहेश्वरी, अभिषेक माहेश्वरी, अनूप माहेश्वरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी, सचिव निखिल गांधी, कोषाध्यक्ष देवेंद्र राठी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष शोभित माहेश्वरी, सचिव अंशुल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष मोहित राठी, निश्चल माहेश्वरी, नंदन सुखानी, विशाल माहेश्वरी ने आयोजन व्यवस्था में भूमिका निभाई।

माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष शिप्रा राठी, सचिव रुचिता माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष रचना भुराड़िया, संगठन मंत्री नम्रता गांधी के नेतृत्व में संचालन हुआ। संचालन- समन्वय में राधिका, बबीता, श्वेता, प्रिया, प्रियंका, लता, ज्योति, नम्रता गांधी, नंदन सुखानी का सराहनीय योगदान रहा।

प्रतियोगिताओं का निष्पक्ष मूल्यांकन निर्णायक मंडल की सदस्य शिवानी, स्मिता, तृप्ति, संगीता गोदानी, रेखा, डॉ. रौनक, ऊ षा दीवान, कविता दीवान, पूजा गोदानी ने किया।

बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में हुआ प्राणायाम

बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में योग क्रियाएं करते नागरिक।

यूनिक समय, मथुरा। नगला अक्खा सौंख स्थित बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में विद्यालय मैनेजमेंट, आवासीय कर्मचारियों ने योग दिवस पर योग से जुड़ी क्रियाएं कीं। विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह , मैनेजमेंट कमेटी और आवासीय कर्मचारियों ने अनुलोम–विलोम, पदमासन, कपालभाती, सूर्यनमस्कार आदि–आदि का योगाभ्यास किया।

चेयरमैन सुरेश सिंह ने कहा कि योग प्राचीन भारतीय विरासत का एक हिस्सा है यह मानवता के लिए भारत का उपहार, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है योग मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करता है।

प्रबंधक प्रहलाद सिंह ने आवासीय कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए योगासन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य रामबाबू डॉ. अशोक, बीरपाल प्रधान, सुरेंद्र सिंह, जीएस सतानंद, हरिराम, भगत, ऋषि, राकेश रहिजा, वेदप्रकाश, मनोज, उघम, सतपाल, अर्जुन, महेश आदि उपस्थित रहे।

बरसात में बीमारियों से बचना है तो रोज करें यह योगासन

यूनिक समय, नई दिल्ली। मानसून की बारिश गर्मी से राहत तो देती है, लेकिन साथ ही कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ा देती है। इस मौसम में नमी, दूषित पानी और बैक्टीरिया–फंगस तेजी से पनपते हैं, जिससे गैस, अपच, एसिडिटी, फूड पॉइजनिंग, त्वचा पर खुजली, रैशेज और फंगल इंफेक्शन जैसी परेशानियां आम हो जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ खानपान का ध्यान रखना ही काफी नहीं है, बल्कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना भी जरूरी है। ऐसे में नियमित योगाभ्यास मानसून के दौरान शरीर को स्वस्थ रखने का प्रभावी और प्राकृतिक तरीका साबित हो सकता है। योगा शरीर में रक्त संचार बेहतर करता है, पाचन तंत्र को सक्रिय बनाता है और तनाव कम करने के साथ इम्युनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है। कुछ खास योगासन इस

मौसम में होने वाली पेट और त्वचा संबंधी समस्याओं से राहत दिलाने में विशेष रूप से लाभकारी माने जाते हैं। मानसून में गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए सबसे उपयोगी योगासनों में शामिल है। इसका नियमित अभ्यास पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और पेट को हल्का महसूस कराता है। एकमात्र ऐसा योगासन है जिसे भोजन के तुरंत बाद भी किया जा सकता है। यह पाचन शक्ति को मजबूत करता है और गैस व एसिडिटी की समस्या को कम करने में मदद करता है। शरीर में रक्त संचार बढ़ाने के साथ पेट के अंगों को मजबूत बनाता है। इसका नियमित अभ्यास रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है, जिससे मानसून में संक्रमण का खतरा कम हो सकता है। त्वचा के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। यह पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है, जिससे त्वचा तक पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचते हैं और स्किन स्वस्थ व चमकदार बनी रहती है। अनुलोम–विलोम और कपालभाति जैसे प्राणायाम फेफड़ों को मजबूत बनाने, तनाव कम करने और शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना 20 से 30 मिनट योग और 10 से 15 मिनट प्राणायाम करने से मानसून में होने वाली कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। हालांकि किसी गंभीर बीमारी की स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना और योग को उपचार के पूरक के रूप में अपनाना ही बेहतर विकल्प है।

बिना डॉक्टर सलाह इंटरमिटेंट फास्टिंग पड़ सकती भारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। वजन घटाने के लिए इंटरमिटेंट फास्टिंग आजकल तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सीमित समय में भोजन करने की यह पद्धति कई लोगों को वजन कम करने और मेटाबॉलिज्म बेहतर बनाने में मदद करती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह डाइट प्लान हर व्यक्ति के लिए सुरक्षित नहीं है। बिना डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह के इसे अपनाना कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इंटरमिटेंट फास्टिंग में एक निश्चित समय तक उपवास रखा जाता है और तय समय के भीतर ही भोजन किया जाता है। इससे कैलोरी का सेवन कम होता है, लेकिन शरीर की जरूरतों और स्वास्थ्य स्थिति को नजरअंदाज करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, टाइप–1 और टाइप–2 डायबिटीज के मरीज, हाई ब्लड शुगर से जूझ रहे लोग, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं, किडनी और हृदय रोग से पीड़ित मरीज, गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग तथा बढ़ते बच्चे और किशोरों को इंटरमिटेंट

हर शरीर के लिए सही नहीं फास्टिंग

फास्टिंग से बचना चाहिए। इन लोगों के शरीर को नियमित रूप से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। लंबे समय तक भूखे रहने से सिरदर्द, कमजोरी, चक्कर आना, थकान, गैस, कब्ज और पोषण की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए वजन घटाने के लिए किसी भी डाइट प्लान को अपनाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के साथ अपनाई गई इंटरमिटेंट फास्टिंग ही सुरक्षित और लाभदायक मानी जाती है।

सुबह की गलत आदतें बढ़ा सकती हैं दिल की बीमारियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। हृदय रोगों के बढ़ते मामलों के पीछे खराब जीवनशैली को बड़ी वजह माना जा रहा है। अब कम उम्र के लोग भी हार्ट अटैक और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह की कुछ सामान्य दिखने वाली आदतें धीरे–धीरे दिल की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। अलार्म बजते ही झटके से बिस्तर से उठने पर शरीर में तनाव बढ़ाने वाले हार्मन सक्रिय हो जाते हैं। इससे ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट अचानक बढ़ सकती है, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। सुबह उठने के बाद कुछ मिनट आराम करना और हल्की स्ट्रेचिंग करना बेहतर माना जाता है। खाली पेट चाय या कॉफी पीने की आदत भी नुकसानदायक हो सकती है। इससे एसिडिटी, डिहाइड्रेशन और ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा रहता है। विशेषज्ञ सुबह सबसे पहले एक या

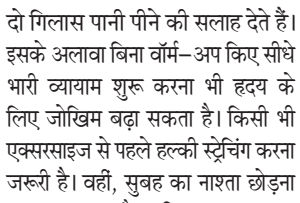

दो गिलास पानी पीने की सलाह देते हैं। इसके अलावा बिना वॉर्म–अप किए सीधे भारी व्यायाम शुरू करना भी हृदय के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। किसी भी एक्सरसाइज से पहले हल्की स्ट्रेचिंग करना जरूरी है। वहीं, सुबह का नाश्ता छोड़ना या तला–भुना और अधिक शक्कर वाला भोजन करना भी दिल की सेहत पर नकारात्मक असर डाल सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित नाश्ता, नियमित व्यायाम, पर्याप्त पानी, तनाव पर नियंत्रण और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर हृदय को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। छोटी–छोटी अच्छी आदतें भविष्य में गंभीर हृदय रोगों के खतरे को काफी हद तक कम कर सकती हैं।

सूजी का हलवा सबसे आसान और स्वादिष्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। हलवा भारतीय रसोई की सबसे लोकप्रिय पारंपरिक मिठाइयों में से एक है। सूजी, बेसन और गेहूं से बनने वाले तीनों हलवों का स्वाद और बनाने का तरीका अलग–अलग होता है। इनमें सूजी का हलवा सबसे आसान और कम समय में तैयार होने वाला माना जाता है। इसे घी में सूजी भूनकर, चीनी की चाशनी, इलायची और ड्राई फ्रूट्स के साथ बनाया जाता है। वहीं, बेसन के हलवे में धीमी आंच पर अच्छी तरह भूनना जरूरी होता है, जिससे उसकी सोंधी खुशबू और स्वाद बढ़ जाता है। गेहूं का हलवा बनाने की प्रक्रिया सबसे लंबी होती है, क्योंकि पहले गेहूं को भिगोकर उसका पेस्ट तैयार करना पड़ता है। स्वाद की बात करें तो तीनों हलवे अपनी–अपनी खासियत रखते हैं, लेकिन आसान रेसिपी, कम समय और बेहतरीन स्वाद के कारण सूजी का हलवा सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

आम की गुठली से उगाएं नया पौधा

सही तरीके से लगाने पर कुछ दिनों में दिखने लगेगी नई पत्तियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। आम का मौसम आते ही लोग अलग–अलग किस्म के आमों का स्वाद लेते हैं, लेकिन खाने के बाद उसकी गुठली को अक्सर बेकार समझकर फेंक देते हैं। यदि आप बागवानी के शौकीन हैं, तो इसी गुठली से घर पर आसानी से आम का पौधा तैयार कर सकते हैं। सही तरीका अपनाने पर कुछ ही दिनों में बीज अंकुरित होने लगता है और पौधे की छोटी–छोटी पत्तियां भी दिखाई देने लगती हैं। सबसे पहले आम की गुठली को अच्छी तरह धोकर उस पर लगा गूदा साफ कर लें। इसके बाद सावधानी से गुठली का बाहरी कठोर कवच हटाएं और अंदर मौजूद बीज निकाल लें। इस दौरान ध्यान रखें कि बीज को कोई नुकसान न पहुंचे, क्योंकि क्षतिग्रस्त बीज से पौधा निकलने की संभावना कम हो जाती है। अब किसी गमले या जमीन की नरम और उपजाऊ मिट्टी में बीज को सीधा खड़ा करके लगाएं। बीज को बहुत गहराई में न दबाएं, बल्कि ऊपर से केवल हल्की मिट्टी की परत डालें। इसके बाद हल्का पानी दें और गमले को ऐसी जगह रखें, जहां पर्याप्त रोशनी और हल्की धूप मिलती हो। मिट्टी सूखने पर ही दोबारा पानी दें, क्योंकि अधिक पानी से बीज खराब हो सकता है। अनुकूल वातावरण मिलने पर कुछ ही दिनों में बीज से अंकुर निकलना शुरू हो सकता है और जल्द ही नई पत्तियां भी दिखाई देने लगती हैं। पौधा बड़ा होने पर उसे बगीचे या खुले स्थान पर लगाया जा सकता है। यदि जल्दी फल प्राप्त करना चाहते हैं, तो बड़े होने के बाद उसकी ग्राफ्टिंग किसी फल देने वाले आम के पेड़ से कराई जा सकती है। नियमित देखभाल, पर्याप्त धूप और संतुलित सिंचाई से यह पौधा स्वस्थ रूप से बढ़ता है और आगे चलकर फल भी दे सकता है।

बिना एसी भी ठंडे रहते हैं ये घर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इको–फ्रेंडली घरों का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इन घरों को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि प्राकृतिक रोशनी, ताजी हवा और स्थानीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके। इससे बिजली की खपत कम होती है और रहने का अनुभव भी बेहतर बनता है। न्यूजीलैंड का मटागौरी हाउस, जापान का निवा–नो–इए और अर्थ हाउस, इटली का एसेंशियल होम्स प्रोजेक्ट तथा इक्वाडोर के टोकीया हाउसेज इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। इन घरों में बड़ी खिड़कियां, प्राकृतिक वेंटिलेशन और पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया गया है, जिससे एयर कंडीशनर और कृत्रिम रोशनी की जरूरत काफी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि टिकाऊविकास के लिए ऐसे घर भविष्य की जरूरत हैं। ये न केवल ऊर्जा की बचत करते हैं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर बेहतर और स्वस्थ जीवनशैली भी प्रदान करते हैं।

घरेलू फेस पैक से पाएंगे बेदाग और दमकती त्वचा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल चमकदार और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग महंगे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, इनमें मौजूद केमिकल्स कई बार त्वचा पर दुष्प्रभाव भी छोड़ सकते हैं। ऐसे में प्राकृतिक और घरेलू उपाय त्वचा की देखभाल का बेहतर विकल्प माने जाते हैं। घर में आसानी से उपलब्ध कुछ चीजों की मदद से बनाए गए फेस पैक त्वचा को पोषण देने, नमी बनाए रखने और प्राकृतिक चमक लौटाने में मदद कर सकते हैं। स्किन केयर विशेषज्ञों के अनुसार, एलोवेरा, शहद, हल्दी, खीरा और चावल का पानी जैसे प्राकृतिक तत्व त्वचा को स्वस्थ रखने में प्रभावी माने जाते हैं। इनका नियमित और सही तरीके से उपयोग करने से त्वचा की रंगत में सुधार आ सकता है और दाग–धब्बों की समस्या भी धीरे–धीरे कम हो सकती है। एलोवेरा जेल त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है और पिंपल्स, जलन

तथा लालिमा को कम करने में मदद करता है। ताजा एलोवेरा जेल को सीधे चेहरे पर लगाकर 15 से 20 मिनट बाद साफ पानी से धोने से त्वचा तरोताजा महसूस होती है। शहद प्राकृतिक मॉइस्चराइजर के रूप में काम करता है। यह त्वचा को मुलायम बनाने के साथ उसकी नमी बनाए रखने में मदद करता है। सप्ताह में दो से तीन बार शहद का फेस मास्क लगाने से चेहरे पर प्राकृतिक निखार आ सकता है। दूध और हल्दी का मिश्रण भी त्वचा की देखभाल के लिए काफी लोकप्रिय घरेलू उपाय है। इसमें मौजूद गुण टैनिंग और हल्के दाग–धब्बों को कम करने में मदद कर सकते हैं। दो चम्मच दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर 10 से 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं और फिर साफ पानी से धो लें। खीरे का

चेहरे की प्राकृतिक चमक का राज

रस त्वचा को ठंडक पहुंचाने और ताजगी बनाए रखने में सहायक होता है। वहीं, चावल का पानी प्राकृतिक टोनर की तरह काम करता है, जो त्वचा को साफ रखने और उसकी बनावट में सुधार करने में मदद कर सकता है। कॉटन की सहायता से इसे चेहरे पर लगाकर कुछ मिनट बाद धोया जा सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि किसी भी घरेलू नुस्खे का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यदि त्वचा पर एलर्जी, जलन या कोई गंभीर समस्या हो तो स्वयं उपचार करने के बजाय त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर होता है। नियमित स्किन केयर, संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और अच्छी नींद के साथ ये प्राकृतिक फेस पैक त्वचा की चमक बनाए रखने में सहायक साबित हो सकते हैं।

छत्तीसगढ़ की धुन बनी बॉलीवुड हिट

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म दिल्ली–6 का लोकप्रिय गीत 'ससुराल गेंदा फूल' आज भी शादी–ब्याह और पारिवारिक समारोहों की शान माना जाता है। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि यह गीत मूल रूप से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंगीत परंपरा का हिस्सा है।

बॉलीवुड तक पहुंचने से पहले यह गीत वर्षों तक छत्तीसगढ़ के गांवों और सांस्कृतिक आयोजनों में गूंजता रहा। इस लोकगीत के मूल रचनाकार गंगाराम शिवारे थे, जबकि इसकी धुन भुलवाराम यादव ने तैयार की थी। बाद में उन्होंने यह गीत जोशी सिस्टर्स–रमा, रेखा और प्रभा जोशी–को सिखाया। इन गायिकाओं ने मंचों और आकाशवाणी के माध्यम से इसे लोकप्रिय बनाया, जिससे यह पूरे छत्तीसगढ़ में प्रसिद्ध हो गया। इसके बाद पद्मश्री हबीब तनवीर ने अपने प्रसिद्ध नया थिएटर के नाटकों में इस लोकगीत को शामिल किया। फिल्म

ददरिया लोकधुन से मिली देशभर में पहचान

दिल्ली–6 के निर्माण के दौरान अभिनेता और गायक रघुवीर यादव ने यह गीत संगीतकार ए.आर. रहमान को सुनाया। गीतकार प्रसून जोशी ने इसके बोलों में कुछ बदलाव किए और इसे फिल्म के अनुरूप तैयार किया। रेखा भारद्वाज की आवाज में यह गीत रिलीज होते ही देशभर में लोकप्रिय हो गया। यह गीत छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध ददरिया लोकगायन शैली पर आधारित है, जिसमें रिश्तों, प्रेम और हल्की–फुल्की नोकझोंक को सरल शब्दों में प्रस्तुत किया जाता है। ससुराल में नई दुल्हन के अनुभवों को दर्शाने वाला यह गीत आज भी भारतीय शादियों की रौनक बना हुआ है और छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को देशभर में पहचान दिलाने का माध्यम माना जाता है।

सुविचार

सपनों का पीछा करना कभी मत छोड़ो।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	03:40-04:39 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	हस्त	10:22-11:53 तक	माह	ज्येष्ठ	
सूर्योदय		5:29 AM	चन्द्रोदय	01:38 PM	
सूर्यास्त		7:13 PM	चंद्रास्त	01:07 AM	
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	तुला राशि	
शुभ मुहूर्त		12:20PM -02:03 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		03:47 PM: 05:30 PM	वार	मंगलवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा, खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों से लाभ मिलेगा, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन: करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क: यात्रा के योग बन रहे हैं। नौकरी में सफलता मिलेगी। सकारात्मक सोच आपके लिए लाभदायक रहेगी।

सिंह: निवेश से पहले विशेषज्ञ सलाह लें। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

कन्या: नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक लाभ संभव है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला: भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा। रिश्तों में मधुरता आएगी और मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरी में उन्नति के संकेत हैं। अनावश्यक विवादों से बचें।

धनु: शिक्षा और करियर के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार के साथ समय बिताएं।

मकर: आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धैर्य बनाए रखें।

कुंभ: नए संपर्क लाभदायक साबित होंगे। रुका धन मिलने के योग हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन: धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। करियर में सकारात्मक बदलाव संभव हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सही नक्षत्र में पौधे लगाने से मिलेगी सुख, शांति और समृद्धि

सही दिशा से बढ़ती सकारात्मक ऊर्जा

पौधों का ग्रहों से खास संबंध

यूनिक समय, मथुरा। घर की बालकनी, छत या गार्डन में पौधे लगाना केवल सजावट नहीं, बल्कि वास्तु शास्त्र में इसे सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। कई बार लोग बड़े शौक से पौधे लगाते हैं, लेकिन पर्याप्त देखभाल के बावजूद वे सूखने लगते हैं या उनकी ग्रोथ रुक जाती है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे गलत दिशा, अनुचित समय और कुछ महत्वपूर्ण नियमों की अनदेखी भी कारण हो सकती है।

वास्तु शास्त्र में पौधारोपण के लिए कुछ विशेष नक्षत्रों को बेहद शुभ माना गया है। स्वाति, उत्तरा, हस्त, रोहिणी और मूल नक्षत्र में लगाए गए पौधे तेजी से बढ़ते हैं और सकारात्मक परिणाम देते हैं। इसके अलावा शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर कृष्ण पक्ष की सप्तमी तक का समय पौधे लगाने के लिए अनुकूल माना जाता है। मान्यता है कि यदि व्यक्ति अपने जन्म नक्षत्र के अनुसार पौधे लगाए तो उन्हें अधिक लाभ और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

वास्तु के अनुसार घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने बड़ा पेड़ या घना पौधा नहीं लगाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित होता है। बड़े पेड़ों को मुख्य द्वार की ऊंचाई से कम से कम तीन गुना दूरी पर लगाना बेहतर माना गया है। इसी तरह सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक घर पर बड़े पेड़ों की घनी छाया पड़ना भी शुभ नहीं माना जाता, क्योंकि इससे घर का वातावरण भारी और ऊर्जा असंतुलित हो सकती है।

पेड़ों को काटने या स्थानांतरित करने को भी वास्तु में संवेदनशील कार्य माना गया है। यदि किसी कारणवश पेड़ हटाना आवश्यक हो तो माघ या भाद्रपद माह को इसके लिए उपयुक्त माना जाता है। साथ ही यह भी कहा गया है कि जिस स्थान से पेड़ हटाया जाए, वहां तीन महीने के भीतर नया पौधा अवश्य लगाना चाहिए। वास्तु शास्त्र में पौधों का संबंध ग्रहों से भी जोड़ा गया है। मजबूत तने वाले वृक्ष जैसे शीशम को सूर्य से संबंधित माना जाता है। चंद्र और शुक्र का संबंध लताओं तथा दूध वाले पौधों से बताया गया है। फलदार वृक्ष बृहस्पति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि हरे-भरे लेकिन फल रहित पौधे बुध ग्रह से जुड़े माने जाते हैं। सूखे और कमजोर पौधों को शनि का प्रतीक माना जाता है, वहीं कांटेदार झाड़ियों का संबंध राहु और केतु से जोड़ा जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मान्यता है कि यदि पौधों को सही दिशा, उचित समय और वास्तु नियमों के अनुसार लगाया जाए तो वे न केवल अच्छी तरह बढ़ते हैं, बल्कि घर में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं।

सोफे के पीछे सही पेंटिंग बढ़ाती हैं सकारात्मक ऊर्जा

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय घरों में ड्राइंग रूम को परिवार और मेहमानों के स्वागत का प्रमुख स्थान माना जाता है। इसलिए इसकी सजावट पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सोफे के पीछे वाली दीवार पर लगाई गई पेंटिंग घर के वातावरण और ऊर्जा को प्रभावित कर सकती है। सही तस्वीर जहां सकारात्मकता और उन्नति का संदेश देती है, वहीं गलत चित्र नकारात्मक प्रभाव बढ़ा सकते हैं।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार सोफे के पीछे पहाड़ों की तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। मजबूत और शांत पहाड़ स्थिरता, आत्मविश्वास और करियर में प्रगति के प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि ऐसी तस्वीरों में नदी या झरना नहीं होना चाहिए। उगते हुए सूरज की पेंटिंग भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। यह नई शुरुआत, सफलता और उत्साह का संदेश देती है। विशेष रूप से पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा की दीवार पर ऐसी तस्वीर लगाना लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा खुले आकाश में उड़ते पक्षियों की पेंटिंग स्वतंत्रता, अवसर और प्रगति का प्रतीक होती है। माना जाता है कि इससे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। हरे-भरे जंगल या हरियाली से भरपूर प्राकृतिक दृश्यों की तस्वीरें भी शुभ मानी जाती हैं। ये विकास, समृद्धि और मानसिक शांति का संकेत देती हैं। ऐसी पेंटिंग्स घर के वातावरण को सुकूनभरा और सकारात्मक बनाए रखने में सहायक मानी जाती हैं।

हालांकि वास्तु नियम आस्था पर आधारित हैं, लेकिन सुंदर और प्रेरणादायक चित्र किसी भी घर की खूबसूरती और सकारात्मक माहौल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सीढ़ियों के नीचे सामान रखना पड़ सकता महंगा

यूनिक समय, मथुरा। घर का हर हिस्सा अपने आप में महत्वपूर्ण माना जाता है और वास्तु शास्त्र में इसकी विशेष भूमिका बताई गई है। सीढ़ियां भी घर की ऊर्जा को प्रभावित करने वाला एक अहम हिस्सा मानी जाती हैं। अक्सर लोग सीढ़ियों के नीचे बनी खाली जगह का उपयोग स्टोर रूम या सामान रखने के लिए करते हैं, लेकिन वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार इस स्थान का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। गलत तरीके से उपयोग करने पर वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर घर की सुख-समृद्धि और आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार सीढ़ियों के नीचे की जगह को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। यहां गंदगी, कबाड़ या बेकार सामान जमा करने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। माना जाता है कि अव्यवस्थित स्थान घर के वातावरण को प्रभावित करता है और मानसिक तनाव का कारण बन सकता है।

यदि पर्याप्त जगह उपलब्ध हो तो सीढ़ियों के नीचे छोटे सजावटी पौधे लगाए जा सकते हैं। हरियाली सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और घर के वातावरण को सुखद बनाती है। इसके अलावा इस स्थान का उपयोग छोटी बुक शेल्फ, सजावटी कॉर्नर या उपयोगी हल्के सामान रखने के लिए किया जा सकता है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार सीढ़ियों के नीचे मंदिर बनाना शुभ नहीं माना जाता। इसी तरह यहां रसोईघर या बाथरूम का निर्माण भी उचित नहीं बताया गया है। ऐसा करने से घर में नकारात्मक प्रभाव बढ़ने की आशंका मानी जाती है।

वास्तु नियमों का रखें हमेशा ध्यान

गलत उपयोग बढ़ा सकता नकारात्मकता

विशेषज्ञों का कहना है कि टूटा-फूटा सामान, भारी कबाड़, अनुपयोगी वस्तुएं या तिजोरी जैसी चीजें भी सीढ़ियों के नीचे नहीं रखनी चाहिए। मान्यता है कि इससे आर्थिक अस्थिरता और धन हानि की स्थिति पैदा हो सकती है। हालांकि वास्तु नियम आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं, लेकिन साफ-सफाई, व्यवस्थित स्थान और सकारात्मक माहौल किसी भी घर के लिए लाभदायक माने जाते हैं। इसलिए सीढ़ियों के नीचे की जगह का उपयोग सोच-समझकर करना बेहतर माना जाता है।

परीक्षा, इंटरव्यू या यात्रा से पहले क्यों खिलाते दही-शक्कर

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परिवारों में एक परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है कि किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए घर से निकलने से पहले दही-शक्कर खिलाई जाती है। चाहे परीक्षा देने जाना हो, नौकरी का इंटरव्यू हो, नए कार्य का पहला दिन हो या लंबी यात्रा पर निकलना हो, बड़े-बुजुर्ग दही-शक्कर खिलाकर शुभकामनाएं देते हैं। आधुनिक जीवनशैली और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बावजूद यह परंपरा आज भी लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है।

दही-शक्कर खाने की इस परंपरा के पीछे केवल धार्मिक या सांस्कृतिक मान्यता ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और मनोविज्ञान से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलू भी हैं। भारतीय संस्कृति में दही को शुद्धता, शांति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वहीं शक्कर जीवन में मिठास, सफलता और सकारात्मक परिणामों की उम्मीद का संदेश देती है। इन दोनों का मेल किसी नए कार्य की मंगलमय शुरुआत का संकेत माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार दही में कैल्शियम, प्रोटीन और लाभकारी प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। दूसरी ओर शक्कर शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य से पहले व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की आवश्यकता होती है। ऐसे में दही-शक्कर हल्का, पौष्टिक और ऊर्जा देने वाला विकल्प माना जाता है।

शुभ शुरुआत का प्रतीक माना जाता

स्वास्थ्य और आत्मविश्वास दोनों बढ़ाता है

गर्मियों के मौसम में इस परंपरा का महत्व और भी बढ़ जाता है। दही की ठंडी तासीर शरीर को राहत पहुंचाने में सहायक मानी जाती है। यात्रा या परीक्षा के लिए निकलने वाले व्यक्ति को यह ताजगी का अनुभव कराती है और पेट को भी आराम देती है। इसी कारण गर्म दिनों में दही-शक्कर खाने की सलाह अधिक दी जाती है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी यह परंपरा काफी महत्वपूर्ण है। किसी परीक्षा, इंटरव्यू या बड़े निर्णय से पहले घबराहट होना स्वाभाविक है। ऐसे समय में परिवार का स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास व्यक्ति के आत्मबल को बढ़ाता है। दही-शक्कर खिलाने की परंपरा इसी भावनात्मक समर्थन का प्रतीक है। यह व्यक्ति के मन में सकारात्मक सोच और सफलता का विश्वास जगाती है।

बदलते समय के बावजूद दही-शक्कर की यह परंपरा भारतीय समाज में अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। यह केवल एक खाद्य मिश्रण नहीं, बल्कि परिवार के प्रेम, शुभकामनाओं और विश्वास का प्रतीक है, जो हर महत्वपूर्ण शुरुआत को सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है।

सम्पादकीय

गरीबी, लालच और तानों ने छीना मातृत्व अधिकार

संतान सुख की चाह, गरीबी की मजबूरी और सामाजिक दबाव जब एक साथ मिल जाते हैं, तब मानवीय संवेदनाएं भी बाजार की वस्तु बन जाती हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा हाल ही में उजागर किए गए शिशु तस्करी रैकेट ने समाज के ऐसे ही भयावह चेहरे को सामने ला दिया है। यह मामला केवल कानून के उल्लंघन का नहीं, बल्कि उन सामाजिक विकृतियों का भी आईना है जो इंसान को नैतिक पतन की ओर धकेलती हैं।

रैकेट का तरीका जितना संगठित था, उतना ही चिंताजनक भी।

पवन गौतम
संपादक

आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को अपने नवजात शिशुओं को बेचने के लिए प्रेरित किया जाता था, जबकि निःसंतान दंपतियों को अवैध रूप से बच्चे उपलब्ध कराए जाते थे। अस्पताल के रिकॉर्ड और दस्तावेजों के जरिए पूरी प्रक्रिया को वैधता का जामा पहनाया जाता था। यह केवल अपराध नहीं, बल्कि चिकित्सा और सामाजिक विश्वास की भी गंभीर हत्या है।

इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध का पर्दाफाश किसी बड़ी एजेंसी ने नहीं, बल्कि एक सजग नागरिक की सतर्कता ने संभव बनाया। इससे स्पष्ट होता है कि समाज में जागरूक नागरिक आज भी अपराध के विरुद्ध सबसे प्रभावी प्रहरी बन सकते हैं।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

पूरे प्रकरण में महिलाओं की दो अलग-अलग लेकिन समान रूप से दर्दनाक तस्वीरें उभरती हैं। एक ओर वे गरीब महिलाएं हैं, जो आर्थिक विवशता के कारण अपने कलेजे के टुकड़े से अलग होने को मजबूर हो जाती हैं।

दूसरी ओर वे शिक्षित और संपन्न महिलाएं हैं, जो मातृत्व से जुड़े सामाजिक तानों और तथाकथित बांझपन के कलंक से बचने के लिए अपराध की राह पर चलने को तैयार हो जाती हैं। दोनों परिस्थितियों में महिला ही सबसे अधिक पीड़ित और शोषित दिखाई देती है।

समाज को यह समझना होगा कि मातृत्व किसी महिला की पहचान का एकमात्र आधार नहीं हो सकता। साथ ही, गरीबी और अशिक्षा ऐसी मजबूरी नहीं बननी चाहिए कि मां अपने बच्चे का भविष्य दूसरों के हाथों बेचने को विवश हो जाए। जब तक सामाजिक सोच, आर्थिक अवसर और मानवीय संवेदनाएं मजबूत नहीं होंगी, तब तक महिलाएं ऐसे अपराधों का सबसे आसान शिकार बनी रहेंगी। यही इस घटना का सबसे बड़ा और सबसे चिंताजनक संदेश है।

नजरिया

शांति की दस्तक या नए संघर्ष की आहट

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम एशिया एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां युद्ध और शांति के बीच की रेखा बेहद धुंधली दिखाई देती है। अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच हुआ हालिया शांति समझौता पहली नजर में दुनिया को राहत देने वाला कदम लगता है। कई सप्ताह तक चले सैन्य संघर्ष, मिसाइल हमलों, तेल बाजार में उथल-पुथल और वैश्विक अनिश्चितता के बाद यह समझौता उस तपते रेगिस्तान में ठंडी हवा के झोंके जैसा प्रतीत होता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में स्थायी शांति की शुरुआत है या केवल एक ऐसे संघर्ष का विराम, जो भविष्य में और अधिक जटिल रूप में सामने आ सकता है?

युद्ध केवल रणभूमि में नहीं लड़ा जाता। उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था, कूटनीति, समाज और वैश्विक शक्ति संतुलन तक फैला होता है। यही कारण है कि ईरान-अमरीका समझौते को केवल दो देशों के बीच हुआ समझौता मानना भूल होगी। इसके प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ने वाले हैं। तेल बाजारों से लेकर शेयर बाजारों तक और कूटनीतिक गलियारों से लेकर सामरिक समीकरणों तक, हर जगह इसके परिणाम महसूस किए जाएंगे।

इस पूरे घटना क्रम का सबसे रोचक पक्ष यह है कि युद्ध के बाद विजेता कौन दिखाई देता है। पारंपरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है और इजरायल पश्चिम एशिया का सबसे सक्षम सैन्य राष्ट्र। इसके बावजूद समझौते के बाद सबसे अधिक आत्मविश्वास ईरान के चेहरे पर दिखाई दे रहा है। वर्षों से आर्थिक प्रतिबंधों, अंतरराष्ट्रीय दबाव और सैन्य धमकियों का सामना करने वाला ईरान आज अपने नागरिकों के सामने यह दावा करने की स्थिति में है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके।

तेहरान इस समझौते को अपनी राजनीतिक और रणनीतिक जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। ईरानी नेतृत्व यह संदेश देगा कि सैन्य दबाव के बावजूद उसने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की और अंततः विरोधियों को बातचीत की मेज तक आने के लिए मजबूर कर दिया। पश्चिम एशिया के कई देशों और विकासशील दुनिया में यह संदेश तेजी से फैल सकता है कि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति कभी-कभी सैन्य शक्ति से भी अधिक प्रभावशाली साबित होती है। दूसरी ओर, यह समझौता अमरीका की वैश्विक छवि पर भी कई प्रश्न खड़े करता है। शीत युद्ध के बाद लंबे समय तक दुनिया में यह धारणा बनी रही कि अमरीका अपनी सैन्य और आर्थिक ताकत के बल पर किसी भी क्षेत्रीय संकट का परिणाम अपनी शर्तों पर तय कर सकता है। लेकिन वियतनाम युद्ध, इराक अभियान और अफगानिस्तान से अव्यवस्थित वापसी के बाद यह घटनाक्रम भी उसी श्रृंखला की एक नई कड़ी बनता दिखाई देता है। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, शक्ति का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे भी वार्ता का रास्ता अपनाना पड़ा।

यही कारण है कि चीन और रूस जैसे देश इस समझौते को अमरीकी प्रभाव में कमी के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करेंगे। बदलती वैश्विक राजनीति में यह संदेश महत्वपूर्ण है कि अब विश्व व्यवस्था केवल एक महाशक्ति के इर्द-गिर्द नहीं घूमती। क्षेत्रीय शक्तियां और वैकल्पिक गठबंधन भी वैश्विक समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

हालांकि यदि कोई देश इस समझौते से सबसे अधिक असहज महसूस कर रहा है तो वह इजरायल है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते रहे हैं। इजरायल की अपेक्षा थी कि सैन्य संघर्ष के परिणामस्वरूप ईरान की रणनीतिक शक्ति को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं देता।

समझौते के बाद ईरान स्वयं को विजेता की तरह प्रस्तुत कर रहा है, जबकि इजरायल की सुरक्षा चिंताएं पहले जैसी ही बनी हुई हैं। इससे इजरायल के भीतर राजनीतिक बहस तेज हो सकती है कि क्या उसके सबसे बड़े सहयोगी अमरीका ने क्षेत्रीय स्थिरता को उसकी सुरक्षा प्राथमिकताओं से अधिक महत्व दिया। नेतन्याहू के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। भारत के दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह समझौता राहत का संदेश लेकर आया है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पश्चिम

एशिया से प्राप्त करता है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने और कीमतों में तेज वृद्धि की आशंका लगातार बनी हुई थी। इससे महंगाई, व्यापार घाटे और आर्थिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था। समझौते के बाद ऊर्जा बाजारों में स्थिरता लौटने की संभावना बढ़ी है, जिससे भारत को आर्थिक राहत मिलेगी।

इसके अतिरिक्त खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं कम हुई हैं। पश्चिम एशिया में स्थिरता भारत की विदेश नीति और आर्थिक हितों दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए नई दिल्ली इस समझौते को सकारात्मक दृष्टि से देखेगी।

इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की भूमिका भी उल्लेखनीय रही है। लंबे समय से आंतरिक राजनीतिक और आर्थिक संकटों से जूझ रहे पाकिस्तान को पहली बार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दे में मध्यस्थता का अवसर मिला। यदि यह भूमिका प्रभावी साबित होती है तो उसकी कूटनीतिक प्रतिष्ठा को कुछ लाभ अवश्य मिलेगा। वहीं चीन भी इस समझौते का स्वागत करेगा, क्योंकि पश्चिम एशिया में स्थिरता उसके ऊर्जा और व्यापारिक हितों के लिए अनिवार्य है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक पहलुओं के बावजूद सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी अनुत्तरित है। क्या यह समझौता वास्तव में स्थायी शांति स्थापित कर पाएगा? इतिहास बताता है कि दशकों पुरानी शत्रुता केवल दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर समाप्त नहीं होती। अमरीका और ईरान के बीच अविश्वास की जड़ें बेहद गहरी हैं। दोनों देशों के राजनीतिक तंत्र में ऐसे प्रभावशाली समूह मौजूद हैं जो एक-दूसरे को स्थायी प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखते हैं। किसी भी छोटे उल्लंघन, बयान या सैन्य गतिविधि से तनाव दोबारा भड़क सकता है। इसके अलावा, क्षेत्र में सक्रिय कट्टरपंथी और उग्रवादी संगठन भी शांति प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश कर सकते हैं। उन्हें अक्सर संघर्ष और अस्थिरता से राजनीतिक लाभ मिलता है। यही कारण है कि यह समझौता जितना कूटनीतिक सफलता का प्रतीक है, उतना ही नाजुक भी है।

वास्तविकता यह है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। केवल उसका स्वरूप बदला है। युद्ध के मैदानों की जगह अब कूटनीतिक मंचों, आर्थिक प्रतिबंधों और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा ने ले ली है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि दोनों पक्ष समझौते की भावना का सम्मान करते हैं या फिर पुराने अविश्वास उन्हें पुनः टकराव की ओर ले जाते हैं। फिलहाल दुनिया ने राहत की सांस ली है। तेल बाजार शांत हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिरता का संकेत मिला है और एक बड़े युद्ध का खतरा टलता दिखाई देता है। लेकिन इतिहास हमें सिखाता है कि शांति केवल समझौतों से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और निरंतर संवाद से कायम रहती है। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित हो गई है। इतना जरूर कहा जा सकता है कि संघर्ष की कहानी का एक अध्याय समाप्त हुआ है और दूसरा अध्याय शुरू होने वाला है। अब दुनिया की निगाहें इस पर टिकी हैं कि यह नया अध्याय शांति की इबारत लिखता है या फिर किसी बड़े टकराव की भूमिका तैयार करता है।

विचार विण्डो

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

राम प्रकाश वर्मा

मानव इतिहास में हर बड़ी तकनीकी क्रांति ने सभ्यता की दिशा बदली है। भाप इंजन ने औद्योगिक क्रांति को जन्म दिया, बिजली ने आधुनिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया और इंटरनेट ने दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उसी परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभर रही है, जो आने वाले दशकों में मानव जीवन, अर्थव्यवस्था, राजनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन को परिभाषित कर सकती है। लेकिन जितनी तेजी से एआई संभावनाओं के नए द्वार खोल रही है, उतनी ही तेजी से उसके खतरों को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। यही कारण है कि आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवता को अभूतपूर्व प्रगति की ओर ले जाएगी या फिर उसके लिए नए संकटों का कारण बनेगी।

पिछले कुछ वर्षों में एआई ने लगभग हर क्षेत्र में अपनी उपयोगिता साबित की है। चिकित्सा विज्ञान में यह जटिल बीमारियों की पहचान को अधिक सटीक बना रही है। शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने की प्रणाली विकसित कर रही है। कृषि में उत्पादन बढ़ाने, मौसम की भविष्यवाणी करने और संसाधनों के बेहतर उपयोग में मदद कर रही है। व्यापार और उद्योग में निर्णय प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बना रही है। प्रशासन, बैंकिंग, परिवहन और संचार जैसे क्षेत्रों में भी इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। स्पष्ट है कि एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि विकास का नया इंजन बन चुकी है।

लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि हर नई शक्ति अपने साथ जोखिम लेकर आती है। हाल ही में पोप लियो चौदहवें द्वारा व्यक्त की गई चिंताएं इसी वास्तविकता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी तकनीक युद्ध को नैतिक नहीं बना सकती और न ही मशीनें मानव विवेक का विकल्प हो सकती हैं। उनका यह संदेश केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। जब दुनिया की बड़ी शक्तियां एआई आधारित हथियार प्रणालियों और स्वायत्त सैन्य तकनीकों के विकास में अरबों डॉलर निवेश कर रही हों, तब यह चिंता और भी प्रासंगिक हो जाती है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता वैश्विक शक्ति संतुलन का नया आधार बन रही है। अमेरिका, चीन और अन्य प्रमुख देशों के बीच एआई तकनीक को लेकर जिस प्रकार की प्रतिस्पर्धा चल रही है, वह किसी नए शीत युद्ध जैसी प्रतीत होती है। पिछली शताब्दी में परमाणु हथियार सामरिक शक्ति का प्रतीक थे, जबकि इस शताब्दी में एआई रणनीतिक प्रभुत्व का नया हथियार बनती जा रही है। जो देश इस तकनीक में आगे होगा, वही आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभाव के क्षेत्र में बढ़त हासिल करेगा। रोजगार का क्षेत्र एआई के प्रभाव का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है। ग्राहक सेवा, डेटा

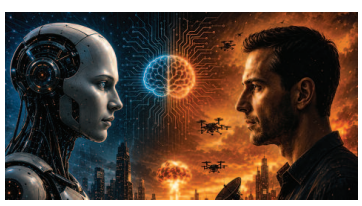

विश्लेषण, लेखन, अनुवाद, लेखांकन और यहां तक कि कंप्यूटर प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में मशीनें मानव श्रम का विकल्प बनती जा रही हैं। कंपनियों के लिए यह अधिक दक्षता और कम लागत का माध्यम है, लेकिन लाखों कर्मचारियों के लिए यह अनिश्चित भविष्य का संकेत भी है। यदि तकनीकी विकास के साथ रोजगार के नए अवसर नहीं बनाए गए, तो आर्थिक असमानता और सामाजिक तनाव बढ़ सकते हैं। कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों और विकसित देशों के हाथों में अत्यधिक आर्थिक शक्ति का केंद्रीकरण लोकतांत्रिक संतुलन के लिए भी चुनौती बन सकता है। सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में एआई का बढ़ता उपयोग सबसे गंभीर चिंताओं में से एक है। आज स्वायत्त ड्रोन, स्मार्ट मिसाइलें और ऐसी युद्ध प्रणालियां विकसित की जा रही हैं जो सीमित मानवीय हस्तक्षेप के साथ निर्णय लेने में सक्षम हैं। यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि युद्ध केवल रणनीतिक गणनाओं का विषय नहीं होता। इसमें नैतिकता, मानवीय संवेदनाएं और राजनीतिक जिम्मेदारी भी शामिल होती है। किसी एल्गोरिद्म के लिए मानव जीवन का मूल्य केवल एक आंकड़ा हो सकता है, लेकिन समाज के लिए वह अमूल्य है। यदि भविष्य में युद्ध संबंधी निर्णय मशीनों पर निर्भर होने लगे, तो विनाशकारी परिणामों की आशंका बढ़ सकती है। साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भी एआई दोधारी तलवार साबित हो रही है। एक ओर यह साइबर अपराधों की पहचान और रोकथाम में सहायक है, वहीं दूसरी ओर अपराधी भी इसका उपयोग अधिक जटिल और खतरनाक हमलों के लिए कर रहे हैं। डीपफेक वीडियो, नकली ऑडियो और भ्रामक सूचनाओं के माध्यम से जनमत को प्रभावित करना पहले से कहीं आसान हो गया है। इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं, चुनावी प्रक्रियाओं और सामाजिक विश्वास पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। आने वाले वर्षों में सूचना युद्ध की प्रकृति पूरी तरह बदल सकती है। विशेषज्ञों का एक वर्ग इससे भी आगे की चिंता व्यक्त करता है। उनका मानना है कि भविष्य में ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो कई क्षेत्रों में मानव क्षमता से आगे निकल जाए। यह संभावना अभी सैद्धांतिक लग सकती है, लेकिन यदि कभी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो सबसे बड़ा प्रश्न नियंत्रण का होगा। क्या मनुष्य अपनी ही बनाई हुई अत्यधिक बुद्धिमान प्रणाली को नियंत्रित कर पाएगा? यह केवल वैज्ञानिक नहीं बल्कि नैतिक, दार्शनिक और अस्तित्वगत प्रश्न भी है। भारत के लिए यह विषय विशेष महत्व रखता है। दुनिया की सबसे युवा आबादी और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में भारत के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे एआई आधारित नवाचारों का लाभ उठाकर विकास को गति देनी है, वहीं दूसरी ओर रोजगार, डेटा सुरक्षा, गोपनीयता और डिजिटल समानता जैसे मुद्दों पर भी गंभीर ध्यान देना होगा। भारत को ऐसी नीतियां विकसित करनी होंगी जो तकनीकी प्रगति और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। स्पष्ट है कि समाधान कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को रोकने में नहीं, बल्कि उसके जिम्मेदार और नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने में है। मजबूत नियामक ढांचे, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मानवीय मूल्यों पर आधारित तकनीकी नीतियां ही भविष्य को सुरक्षित बना सकती हैं। तकनीक को मानवता का सेवक बनाना होगा, उसका स्वामी नहीं।

अंततः प्रश्न एआई का नहीं, बल्कि मानव विवेक का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता रखती है, लेकिन यदि इसे नैतिकता और उत्तरदायित्व से अलग कर दिया गया, तो यही शक्ति गंभीर संकटों को जन्म दे सकती है। आने वाला समय इस बात पर निर्भर करेगा कि हम मशीनों को कितना बुद्धिमान बनाते हैं नहीं, बल्कि यह कि हम स्वयं कितने विवेकपूर्ण बने रहते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज जंग

भारत-पाकिस्तान मैच का डबल डोज, फैंस की बढ़ी धड़कनें

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला किसी भी खेल में हो, रोमांच अपने आप बढ़ जाता है। अब हॉकी फैंस के लिए भी बड़ी खुशखबरी है, क्योंकि दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें अगले चार दिनों में दो बार आमने-सामने होने जा रही हैं। प्रो लीग 2025-26 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले ये मुकाबले खेल प्रेमियों के लिए किसी बड़े उत्सव से कम नहीं हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम हाल ही में नीदरलैंड्स को 3-2 से हराकर शानदार फॉर्म में नजर आई है। अब टीम अपने अभियान के अंतिम चार मुकाबलों के लिए लंदन पहुंच चुकी है, जहां उसका सामना पाकिस्तान और इंग्लैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच पहला मुकाबला 23 जून को भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे खेला जाएगा। इसके बाद दूसरी भिड़ंत 26 जून को रात 10 बजे होगी। दोनों मैच लंदन के ली वैली हॉकी और टेनिस सेंटर में खेले जाएंगे।

इस साल भारत-पाकिस्तान हॉकी प्रतिद्वंद्विता के 70 साल भी पूरे हो रहे हैं। 1956 मेलबर्न ओलंपिक फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 1-0 से हराकर इतिहास रचा था। तब से दोनों टीमें 180 से अधिक बार आमने-सामने आ चुकी हैं। आंकड़ों में पाकिस्तान को बढ़त जरूर हासिल है, लेकिन पिछले दो दशकों में भारत का प्रदर्शन ज्यादा दमदार रहा है।

दोनों देशों की आखिरी भिड़ंत सितंबर 2024 में हुई थी। ऐसे में करीब दो साल बाद फिर होने वाली यह टक्कर फैंस के उत्साह को और बढ़ा रही है। भारत शानदार लय में है, जबकि पाकिस्तान भी जीत के इरादे से मैदान में उतरेगा। यही वजह है कि अगले चार दिनों में होने वाले ये दोनों मुकाबले दुनिया भर के हॉकी प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

डेब्यू से छाए नकुल कपूर विदेश में बसाए घर

पहली ही फिल्म से बने स्टार, फिर अचानक इंडस्ट्री से हो गए गायब

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई सितारे ऐसे रहे हैं जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली, लेकिन बाद में अचानक इंडस्ट्री से दूर हो गए। ऐसा ही एक नाम है नकुल कपूर का। 90 के दशक के आखिर और 2000 के शुरुआती दौर में नकुल कपूर ने अपने करियर की शुरुआत म्यूजिक एल्बम 'हो गई है मोहब्बत तुमसे' से की थी। इस एल्बम ने उन्हें पहचान दिलाई और फिल्मों के दरवाजे खोल दिए। साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'तुमसे अच्छा कौन है' नकुल कपूर के करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। फिल्म में उनके साथ किम शर्मा और आरती छाबड़िया नजर आई थीं। अपने रोमांटिक और चॉकलेटी अंदाज से नकुल रातोंरात युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गए। उस दौर में उन्हें बॉलीवुड का अगला बड़ा स्टार माना जाने लगा था। हालांकि, शानदार शुरुआत के बावजूद नकुल का फिल्मी सफर लंबा नहीं चल पाया। जहां शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे सितारे इंडस्ट्री पर राज कर रहे थे, वहीं नकुल कपूर अचानक पर्दे से गायब हो गए। उनके इस फैसले ने फैंस को भी हैरान कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नकुल ने ग्लैमर की दुनिया से दूरी बनाकर कनाडा में अपना नया आशियाना बसा लिया। आज वह लाइमलाइट से दूर अपनी निजी जिंदगी में व्यस्त हैं।

स्पेन की जीत में यामाल का ऐतिहासिक प्रदर्शन

यामाल का जलवा, मेसी का रिकॉर्ड टूटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए सऊदी अरब को 4-0 से करारी शिकस्त दी और अपने अभियान की पहली जीत दर्ज की। इस मुकाबले में 18 साल के युवा स्टार लमीन यामाल ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने फुटबॉल जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अटलांटा में खेले गए इस मैच में यामाल ने 10 वें मिनट में गोल दागकर स्पेन को शुरुआती बढ़त दिलाई। यह उनके करियर का पहला वर्ल्ड कप गोल था, जिसने उनके डेब्यू को यादगार बना दिया। इसके बाद स्पेन ने आक्रामक खेल जारी रखा और पहले हाफ में ही मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली। मिकेल ओयारजाबाल ने 21वें और 25वें मिनट में लगातार दो गोल कर स्पेन की बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में सऊदी अरब की टीम दबाव में आ गई और एक आत्मघाती गोल ने स्कोरलाइन को 4-0 कर दिया, जिससे स्पेन ने एकतरफा जीत हासिल की।

इस मैच के साथ लमीन यामाल ने वर्ल्ड कप इतिहास में खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। 18 साल 11 महीने और 8 दिन की उम्र में गोल दागकर वह टूर्नामेंट के आठवें सबसे युवा गोल स्कोरर बन गए हैं। खास बात यह रही कि उन्होंने इस रिकॉर्ड में लियोनल मेसी को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 2006 में 18 साल 11 महीने और 23 दिन की उम्र में वर्ल्ड कप गोल किया था।

यामाल अब स्पेन के लिए वर्ल्ड कप में गोल करने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं।

भगदड़ केस में कोर्ट के सामने पेश होंगे अर्जुन

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 द रूल के प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ से जुड़े मामले में सोमवार को अहम सुनवाई होनी है। इस बहुचर्चित केस में अर्जुन नामपल्ली कोर्ट के सामने वर्चुअल माध्यम से पेश होंगे। कोर्ट ने अभिनेता को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था, लेकिन मुंबई में चल रही फिल्म की शूटिंग का हवाला देते हुए उन्होंने ऑनलाइन सुनवाई में शामिल होने की अनुमति मांगी थी।अल्लू अर्जुन की कानूनी टीम के मुताबिक, अभिनेता आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट की कार्यवाही का हिस्सा बनेंगे। इस मामले ने पिछले कई महीनों से लगातार सुर्खियां बटोरी हैं और अब सुनवाई के इस चरण को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दरअसल, हैदराबाद के संध्या थिएटर में 4 दिसंबर 2024 को पुष्पा 2 के विशेष बेनिफिट शो के दौरान भारी संख्या में प्रशंसक पहुंचे थे। फिल्म के प्रति जबरदस्त उत्साह और अल्लू अर्जुन की मौजूदगी की खबर के बाद थिएटर के बाहर हजारों लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अभिनेता के पहुंचते ही फैंस उन्हें करीब से देखने और तस्वीरें लेने के लिए आगे बढ़ने लगे, जिससे हालात तेजी से बेकाबू हो गए।

इस अफरातफरी के बीच भगदड़ मच गई, जिसमें रेवती नाम की एक महिला की जान चली गई, जबकि उनका बेटा श्री तेजा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दुखद घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू की और कई लोगों के खिलाफ कार्रवाई की।

चिक्कडपल्ली पुलिस ने अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 के रूप में शामिल किया है। वहीं, संध्या थिएटर के प्रबंधन से जुड़े लोगों को आरोपी नंबर 1 से 10 तक नामित किया गया है। पुलिस इस मामले में कुल 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जबकि कोर्ट ने 19 आरोपियों को समन जारी किया है।

हादसे के बाद अल्लू अर्जुन ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की थी। वहीं उनके पिता और प्रसिद्ध निर्माता अल्लू अरविंद ने मृतका रेवती के परिवार को 2 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। अब सभी की नजरें आज की सुनवाई पर टिकी हैं, क्योंकि इस केस में आने वाला हर नया अपडेट काफी अहम माना जा रहा है।

शाहरुख खान का समोसा सप्लाई किस्सा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के 'किंग खान' शाहरुख खान आज इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं, लेकिन उनके शुरुआती दिनों से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सामने आया है। दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर ने खुलासा किया है कि शाहरुख खान अपने बचपन में ठरू की कैंटीन में समोसे सप्लाई करने में मदद करते थे।

पंकज कपूर के अनुसार, जब वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ते थे, तब करीब 10 साल के शाहरुख अक्सर वहां नजर आते थे। वह अपने परिवार से जुड़े कैंटीन के काम में हाथ बंटाते थे और इंटरवल के दौरान कलाकारों को समोसे सर्व करते थे।

उन्होंने बताया कि उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यह बच्चा आगे चलकर बॉलीवुड का सबसे बड़ा स्टार बनेगा। यह किस्सा शाहरुख खान के संघर्ष और साधारण शुरुआत की एक झलक देता है।

श्रॉफ परिवार में पढ़ाई का असली चैंपियन कौन?

श्रॉफ फैमिली में शिक्षा का खुलासा

टाइगर नहीं, कृष्णा हैं सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। जहां जैकी श्रॉफ चार दशकों से अधिक समय से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं, वहीं टाइगर श्रॉफ आज के समय के सबसे फिट और सफल युवा अभिनेताओं में से एक माने जाते हैं। लेकिन हाल ही में श्रॉफ परिवार की पढ़ाई-लिखाई को लेकर उनकी बेटी कृष्णा श्रॉफ ने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने सभी को चौंका दिया है।

एक इंटरव्यू के दौरान कृष्णा श्रॉफ ने बताया कि उनके पूरे परिवार में वही एकमात्र सदस्य हैं जिन्होंने ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने फिल्म प्रोडक्शन में डिग्री हासिल की है और वह श्रॉफ परिवार की "सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी" सदस्य हैं। कृष्णा के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर काफी चर्चा शुरू हो गई है और लोग इस जानकारी को लेकर हैरानी भी जता रहे हैं। कृष्णा के अनुसार, उनके परिवार के किसी अन्य सदस्य ने यूनिवर्सिटी स्तर तक की पढ़ाई पूरी नहीं की है, जिसमें उनके पिता जैकी श्रॉफ और भाई टाइगर श्रॉफ भी शामिल हैं। हालांकि यह बात लोगों के लिए चौंकाने वाली जरूर है, लेकिन श्रॉफ परिवार हमेशा से ही अपने अलग अंदाज और सादगी के लिए जाना जाता रहा है।

जैकी श्रॉफ ने साल 1983 में फिल्म हीरो से अपने करियर की शुरुआत की थी, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई। इसके बाद उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर बॉलीवुड में अपनी मजबूत जगह बनाई। वहीं टाइगर श्रॉफ ने एक्शन, डांस और फिटनेस के दम पर युवाओं के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। उनकी फिल्मों में एक्शन और स्टाइल को काफी सराहा जाता है।

कृष्णा श्रॉफ फिल्मों में अभिनय से दूर हैं, लेकिन वह अक्सर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। उनकी पहचान फिटनेस एक्सपर्ट और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी के रूप में भी है। वह अपनी फिटनेस जर्नी, जिम वर्कआउट और लाइफस्टाइल से जुड़ी चीजें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं, जिन्हें युवाओं द्वारा काफी पसंद किया जाता है।

इसके अलावा कृष्णा श्रॉफ ने रियलिटी शोज़ में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। वह खतरों के खिलाड़ी जैसे लोकप्रिय शो में हिस्सा ले चुकी हैं, जहां उन्होंने अपने साहस और स्टंट्स से दर्शकों को प्रभावित किया था। इसके अलावा वह *छोरियां चली गांव* जैसे शो का भी हिस्सा रही हैं, जिसमें उन्होंने एक अलग अंदाज में अपनी पहचान बनाई।

कृष्णा के इस खुलासे ने श्रॉफ परिवार को लेकर एक नई बहस जरूर छेड़ दी है, लेकिन यह भी साफ है कि उन्होंने अपनी मेहनत और शिक्षा के दम पर एक अलग पहचान बनाई है। पढ़ी-लिखी सदस्य के रूप में जानी जाती हैं, बल्कि एक फिटनेस आइकन के तौर पर भी युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं।

आईसीसी एक्शन से अफगान कप्तान शाहिदी मुश्किल में

क्लीन स्वीप के बाद अफगानिस्तान को बड़ा झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के खिलाफ चेन्नई में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले के बाद अफगानिस्तान की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। सीरीज में 3-0 से करारी हार झेलने के बाद अब टीम के कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी पर ने सख्त कार्रवाई की है।

दरअसल, एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मैच के दौरान शाहिदी को आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। उन पर आरोप था कि उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान पिच पर दौड़कर खेल की सतह को नुकसान पहुंचाया। उन्हें प्लेयर और सपोर्ट स्टाफ के कोड ऑफ कंडक्ट के अनुच्छेद 2.10.10 के तहत दोषी माना है।मैच के दौरान उन्हें पिच को लेकर दो बार अनौपचारिक चेतावनी दी गई थी। इसके बाद 31वें ओवर में आधिकारिक वॉर्निंग भी दी गई ं फिर वही गलती दोहराई। इसके चलते अंपायरों ने अफगानिस्तान टीम पर पांच रन की पेनाल्टी भी लगा दी। शाहिदी को आधिकारिक फटकार लगाते हुए उनके अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ दिया है। यह पिछले 24 महीनों में उनका पहला अपराध माना गया है। राहत की बात यह रही कि उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली, जिसके बाद किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। इस फैसले के बाद मैच रेफरी रंजन मदुगले द्वारा प्रस्तावित सजा को भी शाहिदी ने स्वीकार कर लिया। आईसीसी नियमों के अनुसार, लेवल-1 उल्लंघन में खिलाड़ियों को चेतावनी, जुर्माना या डिमेरिट पॉइंट दिए जा सकते हैं। सीरीज में भारत के खिलाफ एक भी जीत न दर्ज कर पाने के बाद अब यह कार्रवाई अफगान टीम के लिए दोहरी निराशा लेकर आई है।

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में लगी भीषण आग

हादसे में 15 विद्यार्थियों की मौत

मची चीख-पुकार और भगदड़, पहली मंजिल से जान बचाने को छात्र कूदे

कोचिंग और ऑफिस में फंसे छात्र—कर्मचारी

इमरजेंसी एग्जिट न होने से बढ़ा हादसा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में अधिकांश छात्र और युवा कर्मचारी बताए जा रहे हैं। आग लगने के बाद इमारत में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग जान बचाने के लिए बाथरूम तथा कमरों में छिप गए, जहां धुएं के कारण उनका दम घुट गया।

जानकारी के अनुसार जिस इमारत में आग लगी, उसके बेसमेंट, भूतल और प्रथम तल पर पेट शॉप और क्लीनिक संचालित थे। दूसरे तल पर एक लाइब्रेरी-कम-कोचिंग सेंटर तथा 3डी एनीमेशन और गेमिंग से जुड़ा कार्यालय चल रहा था। आग तेजी से फैलने के कारण अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त समय नहीं मिल सका। कुछ लोगों ने खिड़कियों और तारों के सहारे नीचे उतरकर जान बचाई, जबकि एक छात्र ने पहली मंजिल से छलांग लगा दी और गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रारंभिक जांच में बेसमेंट में लगे एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान फायरकर्मियों को इमारत की पिछली दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश करना पड़ा।

जांच में सामने आया है कि इमारत में इमरजेंसी एग्जिट की व्यवस्था नहीं थी। इसके अलावा मुख्य प्रवेश द्वार बायोमेट्रिक सिस्टम से संचालित था, जिससे आग लगने के दौरान लोगों के बाहर निकलने में देरी हुई। मुख्यमंत्री ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने भवन निर्माण, सुरक्षा मानकों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच शुरू कर दी है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट कर दिया गया है। ट्रॉमा सेंटर और अन्य अस्पतालों में अतिरिक्त बेड आरक्षित किए गए हैं। मौके पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी लगातार राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

यूपी में आंधी-बारिश का असर, मानसून अभी सीमा पर

छह जिलों में झमाझम बारिश हुई

38 जिलों में लू का अलर्ट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच सोमवार को मौसम ने अचानक करवट ली। गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, मऊ, गाजीपुर और बलिया समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश हुई। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई जगह नुकसान भी हुआ।

बस्ती में दोपहर करीब दो बजे तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। कंपनी बाग क्षेत्र में एक पेड़ कार पर गिर गया, जिससे वाहन का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं तेज हवा के कारण एक यूनिपोल सड़क पर गिर पड़ा, जिससे लंबा जाम लग गया। गनीमत रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सिद्धार्थनगर में करीब 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और 15 मिनट तक बारिश हुई। गोरखपुर के ब्रह्मपुर क्षेत्र में भी आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश दर्ज की गई। मऊ के मधुबन इलाके में लगभग 10 मिनट तक बारिश हुई, जबकि गाजीपुर में पूरे दिन रुक-रुक कर तेज हवाओं के साथ वर्षा होती रही। बलिया में भारी बारिश से कई सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 38 जिलों में अभी भी लू का असर बना हुआ है। मऊ, चंदौली, बलिया, गाजीपुर और सोनभद्र में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में बांदा 42.6 डिग्री सेल्सियस, प्रयागराज 42.5 डिग्री, वाराणसी 42.4 डिग्री और कानपुर 42.3 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म शहरों में शामिल रहे।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून सामान्य तौर पर 20 जून तक उत्तर प्रदेश पहुंच जाता है, लेकिन इस बार यह यूपी-बिहार सीमा पर अटका हुआ है। पिछले 10 से 12 दिनों से मानसून महराजगंज के आसपास रुका हुआ है। इसके 23 जून से आगे बढ़ने और 25 जून तक प्रदेश में प्रवेश करने की संभावना जताई गई है।

393 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

विश्वविद्यालय का किया स्थलीय निरीक्षण

यूनिक समय,अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अलीगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने जिले को विकास की बड़ी सौगात देते हुए करीब 393 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के हर जिले को समान रूप से विकसित करना है। अपने दौरे की शुरुआत में सीएम योगी ने कॉलेज पहुंचकर प्रबुद्धजनों से मुलाकात की और क्षेत्र के विकास कार्यों पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अलीगढ़ मंडल और नगर निकाय क्षेत्र की कई योजनाओं का शुभारंभ किया, जिनमें स्ट्रीट लाइट ऑटोमेशन, मल्टीलेवल पार्किंग, वरिष्ठ नागरिक केंद्र, कंपोजिट स्कूल भवन और सड़क चौड़ीकरण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। सीएम योगी ने कहा कि अलीगढ़ अब तेजी से आधुनिक शहर के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और कानून-व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश दिए।

चुनाव से पहले मायावती का ब्राह्मण दांव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले बड़ा राजनीतिक दांव खेलते हुए ब्राह्मण कार्ड पर जोर दिया है। दावा किया है कि 2007 की तरह इस बार भी बसपा पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि पार्टी उम्मीदवार चयन में ब्राह्मण समाज को भी शामिल कर रही है, जिससे विरोधी दलों खासकर समाजवादी पार्टी में बेचैनी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि "जिसकी जितनी तैयारी, उसकी उतनी भागीदारी" के आधार पर टिकट दिए जा रहे हैं। बसपा ने हाल ही में हापुड़ और हसनपुर सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और गरमा गया है।

आगरा में पांच सेकेंड में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

गोली लगने के बाद भी हमलावरों से भिड़ा युवक

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

यूनिक समय, आगरा। ताजगंज क्षेत्र में रविवार रात एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बाइक सवार हमलावरों ने दुकान पर बैठे युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने के बावजूद युवक ने साहस का परिचय देते हुए हमलावरों का सामना किया और उन्हें पकड़ने का प्रयास किया। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। श्यामलाल मार्ग निवासी गौरव राठौर अपनी परचून की दुकान पर बैठे थे। तभी बाइक सवार कुछ युवक वहां पहुंचे और विवाद के बाद फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने कुछ ही सेकेंड में कई राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली गौरव की जांघ में लगी। घायल होने के बावजूद गौरव ने हिम्मत नहीं हारी और भाग रहे हमलावरों को पकड़ने के लिए उनके पीछे दौड़ पड़ा। आसपास के कुछ युवकों ने भी उसकी मदद करने की कोशिश की, लेकिन हमलावर फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। घायल की बहन और अधिवक्ता संगीता राठौर ने आरोप लगाया कि घटना के पीछे पुराना संपत्ति विवाद है।

उनका कहना है कि आरोपियों द्वारा पहले भी धमकियां दी जाती रही हैं और इस संबंध में पुलिस को कई शिकायतें दी गई थीं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूपी के एनकाउंटर में ढेर हुआ कुख्यात ललन

बिहार-यूपी पुलिस को थी तलाश

यूनिक समय, सहारनपुर। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने सहारनपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के कुख्यात अपराधी ललन सिंह उर्फ लल्लन को मुठभेड़ में मार गिराया। उस पर हत्या, डकैती, पुलिसकर्मियों पर हमले और लूटपाट समेत कई संगीन मामले दर्ज थे। बिहार और उत्तर प्रदेश पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। उसके ऊपर कुल 1.25 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के अनुसार रविवार देर रात सरसावा-नकुड़ रोड पर एसटीएफ की चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में ललन सिंह घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ललन बिहार के समस्तीपुर जिले का निवासी था और अपने भाइयों रजनीश तथा मनीष के साथ मिलकर संगठित अपराधों को अंजाम देता था। उसके दोनों भाई वर्ष 2022 में वाराणसी में पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके थे।

ललन पर दो दरोगाओं की हत्या, बैंक कैश वैन लूट, बैंक कर्मियों की हत्या, पुलिस हथियार लूटने और कई राज्यों में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के आरोप थे। वर्ष 2022 में उसने वाराणसी में एक दरोगा को गोली मारकर सरकारी पिस्टल भी लूट ली थी।

पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से बाइक, पिस्टल, कारतूस और खोखे बरामद किए हैं। एसटीएफ का मानना है कि ललन के मारे जाने से अंतरराज्यीय अपराध नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।'

नोएडा में नशे की हालत में युवती का बवाल

यूनिक समय,ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की आम्रपाली रिवर व्यू सोसायटी के पास एक युवती के नशे में हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना में युवती शराब के नशे में बीच सड़क पर लेट गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

वीडियो में देखा जा सकता है कि उसके हाथ में सिगरेट है और पास में शराब की बोतलें पड़ी हैं। वह काफी देर तक सड़क पर ही लेटी रही, जबकि राहगीर उसे समझाने की कोशिश करते रहे। इस दौरान ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ और सड़क पर जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को हटाकर थाने ले जाया गया। मेडिकल जांच के बाद उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की गई है।

मेरठ में रेस के दौरान कार ने सात पुलिसकर्मी रौंदे

तेज रफ्तार इनोवा बनी हादसे कारण

यूनिक समय, मेरठ। दिल्ली हाईवे पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब गश्त पर निकले पुलिसकर्मी सड़क किनारे खड़े होकर आपस में बातचीत कर रहे थे। बेकाबू इनोवा कार ने उन्हें टक्कर मार दी और पुलिस वाहन से जा भिड़ी। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है।

पुलिस के अनुसार शनिवार देर रात ऑटो पार्ट्स कारोबारी के बेटे नमन जोली और उसका भाई अमन जोली अपनी गाड़ियों से हाईवे पर रेस लगा रहे थे। ओवरटेक करने की होड़ में इनोवा कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े पुलिसकर्मियों को चपेट में ले लिया।

हादसे में सात पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। एक कांस्टेबल के पैर में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि अन्य को हाथ, मुंह और शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आई हैं। दो पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर बताई गई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हादसे में शामिल इनोवा और थार वाहन भी जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

जंतर-मंतर पर तीसरे दिन भी डटे 'कॉकरोच'

हम लेकर रहेंगे धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा : अभिजीत दीपके

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुरू हुआ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का आंदोलन लगातार तीसरे दिन भी चर्चा का विषय बना हुआ है। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके अपने समर्थकों के साथ धरने पर डटे हुए हैं।

यह आंदोलन 20 जून को शुरू हुआ था। शुरुआत में प्रदर्शन को प्रशासन की अनुमति मिली थी, लेकिन निर्धारित समय समाप्त होने के बाद भी प्रदर्शनकारियों ने धरनास्थल छोड़ने से इनकार कर दिया। इसके बाद से आंदोलन लगातार जारी है और जंतर-मंतर पर दिन-रात प्रदर्शन हो रहा है।

दूसरे दिन री-नीट परीक्षा के दौरान भी प्रदर्शन जारी रहा। अभिजीत दीपके ने छात्रों और अभिभावकों से परीक्षा के बाद आंदोलन में शामिल होने की अपील की। हालांकि उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुटी, फिर भी समर्थकों ने आंदोलन जारी रखने का फैसला किया। तीसरे दिन प्रदर्शनकारियों ने कैंडल मार्च निकालने की घोषणा की। उनका कहना है कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और कथित पेपर लीक की निष्पक्ष जांच होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सीजेपी की प्रमुख मांगों में नीट पेपर लीक की उच्चस्तरीय जांच, शिक्षा मंत्री का

नीट विवाद पर राजधानी में गरमाया माहौल

कैंडल मार्च के ऐलान से बढ़ी चर्चा

इस्तीफा, प्रभावित छात्रों को न्याय और प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था में व्यापक सुधार शामिल हैं। इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार बहस भी देखने को मिली, जिससे आंदोलन और अधिक सुर्खियों में आ गया है।तीन दिनों से जारी यह धरना अब केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि देश की परीक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों का प्रतीक बनता जा रहा है।

बंगाल बजट में महिलाओं युवाओं को बड़ी सौगात

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने वित्त वर्ष 2026 के बजट में कर्मचारियों, महिलाओं, युवाओं और आम जनता के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने राज्य के विकास, रोजगार और जनकल्याण पर विशेष जोर दिया।

बजट की सबसे बड़ी घोषणा सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी रही। डीए को 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारकों को लाभ मिलेगा।

महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा शुरू करने का फैसला लिया गया है। इसके लिए विशेष पिंक कार्ड जारी किए जाएंगे। वहीं, अन्नपूर्णा भंडार योजना के लिए 36 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रोजगार के क्षेत्र में सरकार

डीए बढ़ा, मुफ्त बस यात्रा शुरू

एक लाख नौकरियों का भी ऐलान

ने एक लाख नई नौकरियां देने की घोषणा की है, जिनमें 33 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे। इसके अलावा 50 हजार शिक्षकों और 20 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती का प्रस्ताव भी रखा गया है।

बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और आधारभूत ढांचे के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। नए एयरपोर्ट, आईटी पार्क, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, कैंसर अस्पताल और सेमीकंडक्टर यूनिट जैसी परियोजनाओं की घोषणा की गई है। सरकार का दावा है कि यह बजट रोजगार, विकास और जनसुविधाओं को नई गति देगा।

उत्तराखंड में तनाव बढ़ा इंटरनेट सेवा बंद

दो और निहंग नीचे उतर आए, गुरुद्वारे में अब चार ही मौजूद

27 जून तक धारा 163 लागू

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और कर्णप्रयाग क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। कर्णप्रयाग में हुई तलवारबाजी की घटना के बाद शुरू हुआ विवाद नगरासू स्थित गुरुद्वारे तक पहुंच गया, जहां कुछ निहंगों के हंगामे के बाद हालात संवेदनशील हो गए।

जानकारी के अनुसार, कुछ निहंग अपने गिरफ्तार साथियों की रिहाई की मांग को लेकर गुरुद्वारे परिसर में डटे हुए हैं। गुरुद्वारा प्रबंधन ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने जबरन परिसर में प्रवेश कर विवाद और तोड़फोड़ की।

वहीं निहंग पक्ष अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस, आईटीबीपी और प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। एहतियात के तौर पर कई क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद की गईं, ताकि अफवाहों और भड़काऊ संदेशों के प्रसार को रोका जा सके।

प्रशासन ने कर्णप्रयाग और आसपास के इलाकों में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत धरना, प्रदर्शन, जुलूस और पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा।

यह आदेश 27 जून तक प्रभावी रहेगा। हालांकि चारधाम यात्रा फिलहाल सामान्य रूप से जारी है।

कृष्णा पाटिल की छुट्टी, बदलेंगे क्या राजनीतिक पाला?

उद्धव गुट ने पार्टी से निकाला

शिंदे सेना में जाने की अटकलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया घटनाक्रम सामने आया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने युवा नेता कृष्णा नागेश पाटिल को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित कर दिया है। कृष्णा, हिंगोली से सांसद नागेश पाटिल के बेटे हैं, जो पहले ही एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो चुके हैं।

पिता के शिंदे गुट में जाने के बावजूद कृष्णा लगातार खुद को उद्धव ठाकरे का वफादार शिवसैनिक बताते रहे थे। उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से महाविकास अघाड़ी के प्रति अपनी निष्ठा जताई थी। हाल ही में उन्होंने नांदेड़ सीट से विधान परिषद चुनाव भी यूबीटी उम्मीदवार के रूप में लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

पार्टी से निष्कासन के बाद अब उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी बीच शिवसेना नेता और मंत्री प्रताप सरनाईक ने दावा किया है कि यूबीटी के कई नेता और सांसद शिंदे गुट में शामिल होने वाले हैं। ऐसे में कृष्णा पाटिल के भी शिंदे सेना का दामन थामने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

हालांकि कृष्णा पाटिल की ओर से अभी तक किसी नए राजनीतिक कदम का संकेत नहीं दिया गया है। दूसरी ओर, हालिया विधान परिषद चुनाव में महायुति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की है, जिससे राज्य की राजनीति में उसकी स्थिति और मजबूत हुई है।

ब्रिटेन में बड़ा राजनीतिक उलटफेर स्टारमर का इस्तीफा

पार्टी के दबाव में छोड़ा पद,नए नेता की तलाश हुई तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्रिटेन की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारमर ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। बताया जा रहा है कि पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष और लगातार बढ़ रहे दबाव के बीच उन्होंने यह फैसला लिया।

स्टारमर ने कहा कि वह तब तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे, जब तक लेबर पार्टी अपने नए नेता का चयन नहीं कर लेती। उन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी अब उन्हें आगामी आम चुनाव में नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त चेहरा नहीं मानती। पिछले कुछ महीनों से लेबर पार्टी के कई सांसद और वरिष्ठ नेता उनके नेतृत्व पर सवाल उठा रहे थे। स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन और

घटती लोकप्रियता ने उनकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। कई मंत्रियों और सांसदों ने भी नेतृत्व परिवर्तन की मांग की थी। अब पार्टी के भीतर नए नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। एंडी बर्नहैम को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है, हालांकि अंतिम फैसला पार्टी की नेतृत्व चुनाव प्रक्रिया के बाद ही होगा।

स्टारमर का इस्तीफा ब्रिटेन की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बदलाव का असर आने वाले समय में ब्रिटेन की नीतियों, सरकार की दिशा और आगामी चुनावी रणनीतियों पर भी पड़ सकता है।

विधान परिषद चुनाव में महायुती का दबदबा कायम

17 में से 16 सीटें जीतीं

कांग्रेस खाता खोलने में रही नाकाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में महायुती गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 में से 16 सीटों पर जीत दर्ज की है। इनमें छह उम्मीदवार पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे, जबकि मतदान वाली 11 सीटों में से 10 पर महायुती प्रत्याशियों ने सफलता हासिल की।

भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी (अजीत पवार गुट) के गठबंधन ने चुनाव में अपना राजनीतिक वर्चस्व साबित किया। बीजेपी ने जिन 11 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, उन सभी पर जीत दर्ज की। वहीं एनसीपी ने भी अपनी

दोनों सीटें जीत लीं। शिवसेना को केवल नासिक सीट पर हार का सामना करना पड़ा। नासिक में बीजेपी के बागी नेता गोकुल गीते ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल कर महायुती की क्लीन स्वीप की उम्मीदों को झटका दिया। उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार को पराजित किया। दूसरी ओर, कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी को बड़ा झटका लगा है। गठबंधन एक भी सीट जीतने में सफल नहीं हो सका। नागपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को करारी हार का सामना करना पड़ा।

चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में फिलहाल महायुती की राजनीतिक पकड़ मजबूत बनी हुई है और विपक्ष को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा।

बुलडोजर कार्रवाई पर ओवैसी का सरकार से सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे पक्षपातपूर्ण और लक्षित कार्रवाई बताया है। ओवैसी का आरोप है कि बीकानेर, जैसलमेर, फलोदी और बाड़मेर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में मस्जिदों, दरगाहों और मदरसों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किया जा चुका है, जबकि अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। सोशल मीडिया पर जारी बयान में ओवैसी ने कहा कि प्रशासन राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर कार्रवाई को उचित ठहरा रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों का किसी भी राष्ट्रविरोधी गतिविधि से कोई संबंध नहीं रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या केवल मुस्लिम धार्मिक स्थलों और घरों को ही अवैध माना जा रहा है।

30 जून से शुरू होगी पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। 30 जून से शुरू होने वाली इस पवित्र यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय ने श्रद्धालुओं के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यात्रा के दौरान आवास, भोजन, चिकित्सा और परिवहन की व्यवस्था कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) द्वारा की जाएगी। जारी गाइडलाइन के अनुसार यात्रियों को सीमित सामान ले जाने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से लिपुलेख मार्ग से जाने वाले श्रद्धालु अधिकतम 20 किलोग्राम निजी सामान ही साथ ले जा सकेंगे। इसके अलावा सामूहिक उपयोग के लिए प्रति यात्री पांच किलोग्राम अतिरिक्त सामान की अनुमति दी गई है। ऊंचाई

यात्रियों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी

स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष जोर

वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को देखते हुए यात्रियों को आवश्यक दवाएं साथ रखने की सलाह दी गई है। प्रत्येक दल के साथ एक डॉक्टर और चार रसोइयों सहित पांच सदस्यीय सेवा टीम मौजूद रहेगी। पहला दल 30 जून से 3 जुलाई तक दिल्ली में जरूरी औपचारिकताएं पूरी करेगा और 4 जुलाई को आगे की यात्रा पर रवाना होगा। यह धार्मिक यात्रा 26 अगस्त तक विभिन्न चरणों में संचालित की जाएगी।

लूट की योजना बनाते पांच गिरफ्तार

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन पुलिस ने लूट की योजना बनाने के आरोप में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध हथियार, चोरी करने के उपकरण और आठ हजार चार सौ बीस रुपये की नकदी बरामद की है।

थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर ने बताया कि पुलिस की टीम रात में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और इलाके में सुरक्षा के लिए गश्त कर रही थी। पुलिस टीम दो बजे के बाद जैसे ही सकीतरा को जाने वाले मार्ग पर कच्चे रास्ते के सुनसान इलाके में खाली स्थान पर पहुंची, वहां कुछ संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी करते हुए वहां मौजूद लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्तों में दीपक निवासी शाहपुर थाना कोतवाली डीग राजस्थान, राकेश, सोनू निवासी सकीतरा थाना गोवर्धन, हर्षित निवासी डॉक्टर पांडेयवाली गली गोवर्धन और रतन उर्फ टल्लू निवासी सकरवा रोड गोवर्धन हैं। तलाशी के दौरान अभियुक्तों से एक तमंचा,चाकू चोरी की वारदात को अंजम देने में प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों के अलावा आठ हजार चारसौ बीस रुपये की नकदी भी बरामद की है।

लूट की योजना बनाते गिरफ्तार अभियुक्त और बरामद हथियार आदि।

देशी तमंचा- कारतूसों के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचा-कारतूस रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने युवक अजीत निवासी शहपुर थाना मगोर्रा को प्रियकांत जू मंदिर रामताल से बंबे वाले रास्ते से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गांव बढ़ौता थाना जैंत निवासी कपिलल गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहा था। उसके बारे में सूचना मिली की वह अमर कॉलोनी थाना हाईवे इलाके में रह रहा है। पुलिस ने दबिश देकर उसे मंडी चौराहे से गिरफ्तार कर लिया।

जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर 2025 को अभियुक्त अभिषेक निवासी जनघर थाना जनधर जिला डीग राजस्थान ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक महिला और उसके माता-पिता को साथ लाठी-डंडों से बुरी तरह से मारपीट की थी। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था।. पुलिस ने हत्या के प्रयास के इस मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त अभिषेक को पानी घाट तिराहे के समीप से गिरफ्तार है।

रेलवे की द्वितीय एंट्री पर पार्किंग एरिया में युवक का शव मिला

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन की द्वितीय एंट्री की पार्किंग के समीप एक युवक का शव पड़ा होने से इलाके में सनसनी फैल गई। बाद में शव की शिनाख्त रेलवे के कर्मचारी के रुप में हुई।

मथुरा जंक्शन की द्वितीय एंट्री के समीप पार्किंग में आज एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा देख वहां से गुजरने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। जीआरपी को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची जीआरपी के दरोगा ने शव जिस स्थान पर पड़ा था उसे थाना हाइवे क्षेत्र में बताते हुए हाइवे पुलिस को सूचना दी। हाइवे पुलिस ने शव का पंचनामा कर शिनाख्त कराने का प्रयास किया। बताया गया कि शव की शिनाख्त रेलवे में चतुर्थ श्रेणी में काम करने वाले युवक सोनू के रुप में हुई। मृतक के परिवार के लोगों ने उसकी शिनाख्त की। बताया गया कि युवक नशा करता था। परिवार के लोग उसकी मौत को हत्या बता रहे हैं।

नवागत मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी त्रिपाठी ने लिया चार्ज

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के नवागत मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश कुमार त्रिपाठी ने चार्ज ग्रहण कर अधीनस्थों से परिचय किया। त्रिपाठी एटा से स्थानान्तरित होकर यहां आए हैं। उन्होंने डीएम औरसहायक आयुक्त खाद्य जतिन कुमार सिंह से मुलाकात की। इस मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण राना,रीना शर्मा, रामनरेश, धर्मेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह, नेहा सिंह, मोहर सिंह, वरिष्ठ लिपिक सत्यप्रकाश सारस्वत आदि मौजूद रहे।

सीएमओ कार्यालय में टीएमएसए एसोसिएशन का चुनाव संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। सीएमओ कार्यालय में सोमवार को टीएमएसए एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में हुआ। सुबह से ही मतदान शुरू हो गया था और सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिले में 85 सदस्य मतदान के पात्र थे, जिनमें से 68 सदस्यों ने अपने वोट डाले। मतदान के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्वक हुई। एसोसिएशन की आठ पदों के लिए चुनाव कराया गया, जिसमें कुल 45 प्रत्याशी मैदान में थे। जिले से जनरल सेक्रेटरी पद के लिए डॉ. शशि रंजन भी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े।

90 वर्षीय वृद्ध संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

यूनिक समय छाता। क्षेत्र के ग्राम अजनोटी से एक 90 वर्षीय बुजुर्ग रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए। काफी तलाश करने पर भी जब उनका कुछ पता नहीं लगा तो परिवार के लोगों ने थाना में गुमशुदगी दर्ज कराई है।

ग्राम अजनोटी निवासी गिर्राज (90 वर्ष) चारजून को सुबह करीब दस बजे से अपने घर से अचानक कहीं चले गए। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटे। इस पर परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने उन्हें सभी संभावित स्थानों पर तलाश किया, लेकिन उनका कुछ पता नहीं लगा। परिवार के लोग सभी रिश्तेदारियों, आस-पास के गांवों तलाश कर परेशान हो गए। परिवार के लोगों ने थाना छाता में उनकी गुमशदगी दर्ज कराई है।

जेसीबी लदा वाहन फंसा, रोड जाम

यूनिक समय, फरह। सोमवार को कस्बा फरह के रेलवे फाटक के समीप लोहे के एंगल में जेसीबी लदा वाहन फंसने से मार्ग जाम हो गया। कई घंटे तक लोग इस समस्या से परेशान रहे, बाद में वाहन को हटाने से मार्ग सुचारू हो सका।

एक बड़ा ट्रक आज दोपहर में बड़ी जेसीबी मशीन लेकर अछनेरा की ओर जा रहा था। रेवले फाटक से पहले तय ऊंचाई के ही वाहन निकले, इसके लिए लोहे के गर्डर लगाए गए है। फाटक खुला होने से ट्रक चालक ने वाहन बढ़ाया तो वह गर्डर से जा टकराया और फंस गया। इससे परखम, ओल और अछनेरा जाने वाले वाहन नहीं आ- जा सके।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

यूनिक समय NEWS

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली-पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

-संपादक

टेलीफोन : 0565-3550761 मोबाइल : 8394983366

बालिकाओं ने आत्म सुरक्षा के लिए सीखा हुनर

सेल्फ डिफेंस मार्शल समर कैंप के समापन पर ट्रेनर प्रमाण पत्रों को लेकर अतिथियों के साथ।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। युवाओं द्वारा एक नई सोच के साथ तैयार की गई टीम सेवार्थ की ओर से आयोजित मार्शल आर्ट समर कैंप का समापन हो गया। इसमे अलग- अलग इलाकों से लगभग 204 बालिकाओं ने भाग लिया। इसमें उनको जूडो कराटे के अलावा अन्य आत्म सुरक्षा के लिए हुनर सिखाए गए।

समापन पर विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों की छुट्टियों में बहुत आवश्यक है। सभी बच्चों को आत्मसुरक्षा के हुनर सीखना बहुत जरूरी है। बच्चों की संख्या देखते वह गदगद हैं कि समाज में इस तरह की जागरूकता है तो हम सभी को मिलकर अन्य स्थानों पर भी ऐसे आयोजन कराने चाहिए। श्री नाभापीठ सुदामा कुटी मज्जगदगुरु नाभा पीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्णदास दास ने कहा कि आत्मसुरक्षा के साथ साथ ऐसे कार्यक्रम बच्चों को फिटनेस

टीम सेवार्थ के समर कैंप का समापन

भी प्रदान करते है, बच्चे मानसिक तनाव से दूर होते है जिससे अनेकों बीमारियों से उनकी सुरक्षा होती है। पीसीएस परीक्षा में चयनित कृष्णांगी त्रिपाठी ने कहा कि सभी बच्चों को इस तरह के कार्यक्रम में अवश्य भाग लेना चाहिए।

आयोजकों ने समाजसेवी प्रवीन सर्राफ का आभार जताया। ट्रेनर ज्ञानप्रकाश औरं 204 बच्चियों को एक महीने तक ट्रेनिंग देने वाली 12 महिला ट्रेनर का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पार्षद वैभव अग्रवाल, गोविंद खंडेलवाल,मोहन शर्मा, गोपाल खंडेलवाल,विश्वनाथ गौतम,कृष्णमुरारी अग्रवाल, प्रशांत वार्ष्णेय, गिरधर खंडेलवाल, कौशल श्रीवास्तव, तरुण बघेल, गौरव भारती, दीपक आदि उपस्थित थे।

वृंदावन के अंदर टैंपो के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन सिविल सोसाइटी के बैनर तले किए जा रहे श्रमदान अभियान के दौरान परिक्रमा मार्ग स्थित जितेंद्र सिंह राणा के फार्म हाउस पर बैठक हुई। इसमें सिविल सोसाइटी कोर कमेटी के साथ-साथ साधारण सभा के सदस्यों ने भाग लिया। नगर की यातायात और जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की।

सदस्यों ने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर कुछ क्षेत्रों में आंशिक सुधार अवश्य देखने को मिला है, लेकिन अभी भी कई महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान की आवश्यकता बनी हुई है। विशेष रूप से नगर में यातायात व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की गई।

सदस्यों ने बताया कि नगर निगम में पंजीकृत लगभग 2700 ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं। इसके बावजूद वृंदावन शहर के भीतर टेंपो के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इस संबंध में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी है। बैठक में सुझाव दिया गया कि सभी ई-रिक्शा और अन्य सार्वजनिक वाहन निर्धारित वाहन स्टैंडों पर ही खड़े किए जाएं, उन्हें शहर की संकरी गलियों एवं मुख्य मार्गों पर खड़ा करने की अनुमति न दी जाए। इससे यातायात व्यवस्था सुगम होगी और श्रद्धालुओं को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी।

शहर के फुटपाथों पर हो रहे अवैध अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। प्रशासन से अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित कार्रवाई की मांग की गई।

सदस्यों ने वृंदावन को स्वच्छ, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक में नगर निगम के उपसभापति मुकेश सारस्वत, सीए कुलदीप अरोड़ा, अभय वशिष्ठ, विनीत शर्मा, योगेश द्विवेदी, सोहन सिंह सिसोदिया, जितेंद्र सिंह राणा, ठाकुर उदय सिंह, दीपक पाराशर, राहुल शुक्ला, मुरारी स्वामी,

सिविल सोसायटी की बैठक में मंथन करते पदाधिकारी।

अतिक्रमण के विरुद्ध नियमित एवं प्रभावी कार्रवाई हो

ठाकुर कालीचरण सिंह, अतुल श्रीवास्तव, विवेक आचार्य, पवन ठाकुर, रूप किशोर शर्मा, धनेंद्र अग्रवाल, बॉबी रासबिहारी अग्रवाल, रवि यादव, विष्णु शर्मा, श्याम शर्मा, तपेश पाठक, आरजू अग्रवाल, दीपू शर्मा, दुष्यंत दीक्षित, दंपत किशोर दीक्षित, राकेश विजय, श्याम कुमार शर्मा, राधा रमन सिंह राणा, राज बिहारी अग्रवाल, योगेंद्र सिंह जैसावत, राजेश शर्मा, ज्ञानी ठाकुर, रामेश्वर पंडित, कपिल शर्मा, सचिन चौधरी, योगेश शर्मा, सुशील गौतम, मोहन बल्लभ शर्मा, जयंत गोयल, डॉ. एम बी व्यास, पवन और राकेश खेतान आदि उपस्थित थे।

वृंदावन में आरओ प्लांट और ई-रिक्शा चार्जिंग सेंटर पकड़ा

बिजली चोरी पकड़ने पहुंचे विद्युत अधिकारियों की टीम और पुलिस।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। विद्युत चोरी करने वालों के खिलाफ चलाए अभियान के तहत विद्युत टीम को खादर क्षेत्र स्थित मोहनी नगर और रोहणी नगर कालोनी में बड़ी सफलता मिली। पब्लिक के तमाम विरोध के बावजूद ई-रिक्शा और पानी का आरओ प्लांट बिजली चोरी से चलता पाया। टीम की अगुवाई एसडीओ (रेड) सत्येंद्र कुमार, एई टेक्निकल संदीप वार्ष्णेय, जेई रेड दीपक कुमार, जेई प्रभारी पवन सोनी कर रहे थे।

चार लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर

उनके साथ स्टाप में आदित्य चटर्जी, शिवा चाटर्जी, विपिन बघेल, अशोक यादव और अनूप गौड़ शामिल थे। टीम की ओर से ब्रह्मदेव शर्मा, महिपाल, हरीश कुमार और कृष्णा शर्मा के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। इस छापेमारी की खबर से दोनों कालोनियों के लोगों में हड़कंप मचा रहा।